वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा
वर्ष 2022-2023 के लिए

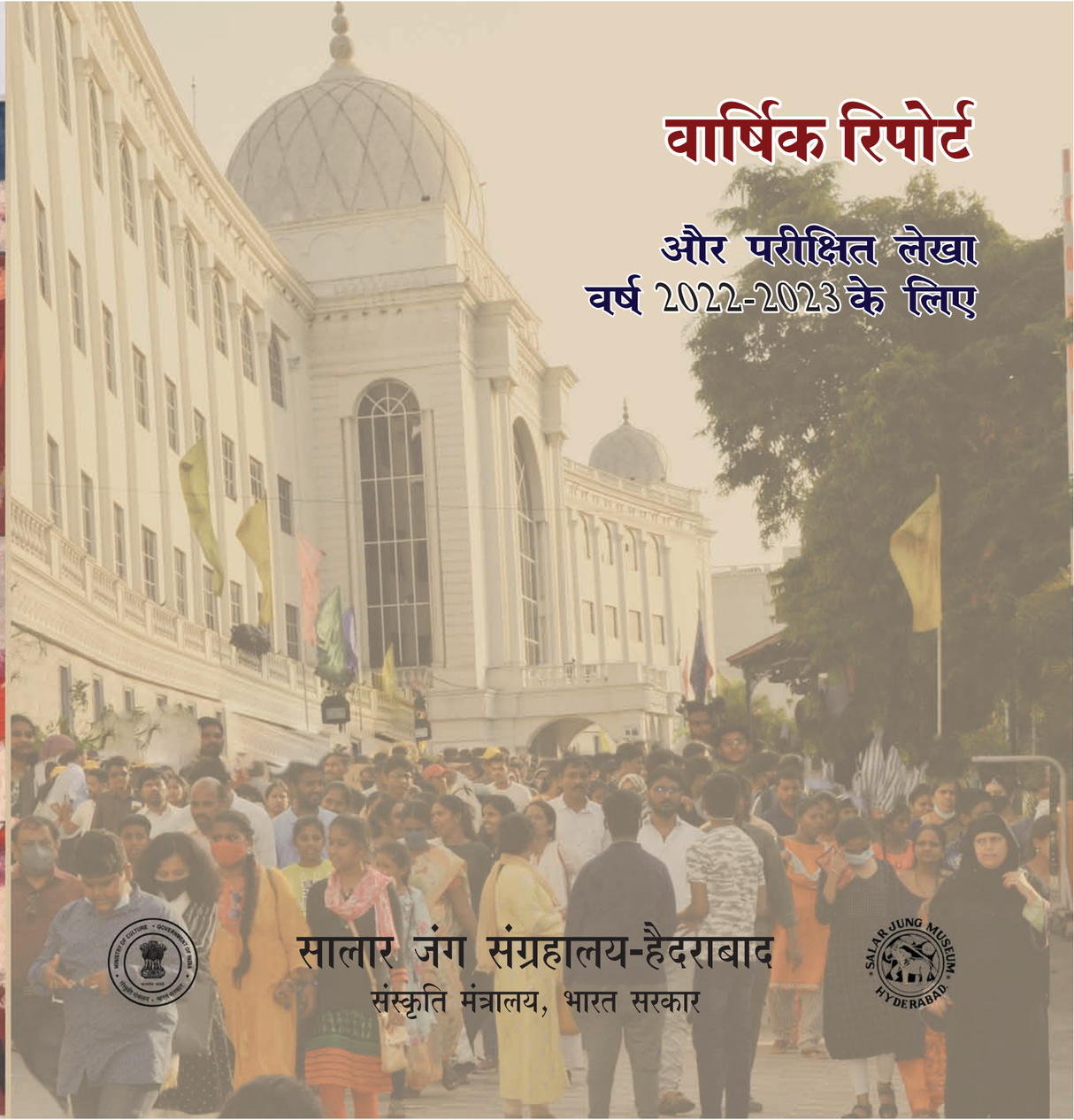

सालार जंग संग्रहालय-हैदराबाद

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

विषयवस्तु

क्रम सं	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास	3-4
2.	नवाब मीर यूसुफ अली खान बहादुर सालार जंग III	5
3.	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	6
4.	दीर्घाएं, भंडार, पांडुलिपियां, उद्देश्य, क्रियाकलाप, दर्शक सुविधाएं	7-21
5.	संग्रहालय के कामकाज	22-24
6.	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड और उप-समितियाँ	25-31
7.	वित्तीय स्थिति, एक नज़र में	32
8.	कार्यकलाप, अस्थायी प्रदर्शनियाँ, विशेष वार्ता, कार्यक्रम	33-47
9.	संग्रहालय के क्रियाकलाप – डिज़िटाइज़ेशन	48
10.	विकास कार्य	49-50
	दीर्घाओं का पुनःसंगठन, विस्तार	51-52
11.	वार्षिक लेखा	53-91
	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	92-98

सालार जंग संग्रहालय
संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालार जंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है। इस संग्रह का बड़ा हिस्सा सालार जंग III के नाम से मशहूर नवाब मीर यूसुफ अली खान ने संगृहित किया था। इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएँ उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सर सालार जंग-I द्वारा एकत्र की गई थी। एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "वील्ड रेबेका", को सालार जंग-I द्वारा रोम से सन् 1876 में खरीदा गया था। परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं को प्राप्त करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा। सालार जंग III ने 1914 में, एच.ई.एच., निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद त्यागने के बाद, अपनी मृत्यु तक अपना संपूर्ण जीवन कला और साहित्य के खजाने, एकत्रित करने और उसे समृद्ध करने में समर्पित कर दिया। 40 वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है जो सालार जंग संग्रहालय के पोर्टलों में शोभायमान हैं। सालार जंग-III के निधन के बाद किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहलाय को सालार जंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था और नवाब के संग्रहण को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के.वेलोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ था। उन्होंने सालार जंग III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े विभिन्न कलात्मक वस्तुओं और कलाकृतियों तथा कुतूहल पैदा करने वाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया।

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम, कला समीक्षक की सेवाएँ ली जाएं। श्री वेंकटाचलम के समक्ष विराट समस्या थी कि विशाल संग्रह में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था। प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवडी" ही था, जो सालार जंग परिवार का पुश्तैनी महल था और यह वह महल था जहाँ मीर यूसुफ अली खान ने अपना सारा जीवन बिताया था। नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालार जंग संपदा समिति के हाथ में रहा।

इसके बाद, दिनांक 16 दिसंबर 1951 को विश्व प्रसिद्ध कला पारखी के रूप में सालार जंग के नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से 'दीवान देवडी' में सालार जंग संग्रहालय का उद्गम हुआ जिसे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया। इस प्रकार, वर्तमान सालार जंग संग्रहालय अस्तित्व में आया। यद्यपि, संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालार जंग सम्पदा समिति के हाथों में ही था। इसके बाद, सालार जंग बहादुर के वंशज दिनांक 26 दिसम्बर ।958 को उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर समझौता विलेख के माध्यम से पूरे संग्रह को भारत सरकार को दान करने के लिए सहमत हुए।

वर्ष 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन सीधे भारत सरकार के अधीन रहा।

वर्ष 1961 में संसद के अधिनियम की संख्या 26 द्वारा सालार जंग संग्रहालय के साथ-साथ सालार जंग पुस्तकालय को 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन और अन्य संबंधित मामलों का निपटान करने के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड स्थापित किया गया था। । भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालार जंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किए गए सभी वस्तुओं को विधिवत रूप से सूचीबद्ध किया गया। रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दू भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकॉर्ड हैं। वर्ष 1963 और 1964 के दौरान, पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेजी में 109 जोड़ियों की वस्तुसूची रजिस्टर तैयार किया गया जिसमें वस्तुओं का विस्तृत विवरण उनके नाप और उनके संबंधित चित्र सहित दर्शाया गया। फिर वर्ष 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोड़ी बनाई गई, जिसे मास्टर लेजर/सामान्य अवासि रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है।

सालार जंग के परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है और इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है।

नवाब मीर यूसुफ अली खान बहादूर सालार जंग - III

नवाब मीर यूसुफ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था। उनका महल उन ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थी। इस प्रकार, उनके चयन के लिए पांडुलिपियाँ, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थी। भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके महल में अक्सर आते रहते थे। उन्हें कला की दुर्लभ कृतियों के साथ-साथ प्रतियां भी प्रदान की गईं थी। कई वर्षों तक, वह अनोखी कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे। कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व के देशों तक ले गया, विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे और वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे, उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच थी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह मैसूर के टीपू सुल्तान की थी। अफ़सोस की बात है कि वह इन कुर्सियों को देखने के लिए जीवित नहीं रह सके, क्योंकि उन्हें यह प्रेषण उनकी मृत्यु के बाद ही प्राप्त हुई थी। कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अतिरिक्त, वह कवियों, लेखकों, कलाकारों को आश्रय भी देते थे और साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यकलापों को भी प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने अपने पारिवारिक इतिहास की कई पुस्तकों के प्रकाशन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उदाहरण के लिए 'शेरजंग', 'मीर आलम/'रियाज़-ए-मुख्तारिया' और 'मुराक्का-ए-दिल्ली', जो उन्हें समर्पित थी। उनकी अपनी जीवनी 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवनकाल के दौरान ही प्रकाशित हुई थी। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि अंतिम सालार जंग को जो खजाने विरासत में मिले थे, वे लगातार वास्तविक संग्राहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोत्तरी करते गए। यह संग्रहण उनका देहांत 02 मार्च, 1949 तक जारी रहा। उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में जो पुराने जमाने के महत्वपूर्ण कुलीन पुरूष थे और पूरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधान मंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया।

हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक शोभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की। सोसायटी ने यह संकल्प लिया था कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाएं। स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज जंग बहादूर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया।

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मुसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया था, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्जिद आदि जैसे पुराने शहर हैदराबाद के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है। संग्रहालय और पुस्तकालय की संग्रहित कलाकृतियों को वर्ष 1968 में दीवान देवड़ी से नए भवन में अंतरित किया गया था। क्योंकि वर्तमान संग्रहालय भवन का स्थान सुगम स्थल पर है अतः इसमें आसानी से पहुंचा जा सकता है, यहा सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत ताता लगा रहता है। विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था। ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 1999 ई. में बनकर तैयार हुए।

विस्तार

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंजिलों के निर्माण का कार्य किया गया जो अब पूर्ण हो चुका है। इससे 20,000 वर्ग फुट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ जिसमें संग्रहालय द्वारा कुछ और दीर्घाएं तैयार करने की योजना बनाई जा रही है।

इस्लामिक कला दीर्घा:

सालार जंग परिवार के संकलन से इस्लामिक कला/कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है। सिविल और फैब्रिकेशन का काम पूरा हो चुका है और इंटीरियर का काम प्रगति पर है।

संग्रहालय संकलन

संग्रहालय में न केवल भारतीय मूल की, बल्कि पश्चिमी, मध्य पूर्वी और सुदूर पूर्वी मूल की कलात्मक वस्तुओं और प्राचीन वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह है। इनके अतिरिक्त, यहां बाल अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय है जिसमें संदर्भ पुस्तकें, दुर्लभ पांडुलिपियों का बृहत संकलन आदि शामिल हैं। इस प्रकार, यह संग्रहालय न केवल आनंद के स्थान के रूप में बल्कि शिक्षा के भंडार के रूप में भी लोकप्रिय हो गया है।

दीर्घाएं

आज की तारीख में, संग्रहालय के तीन ब्लॉकों में 39 दीर्घाएं हैं। भारतीय संग्रह विभिन्न राज्य जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर और कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बीजापुर, कुरनूल और निर्मल से हैं।

पश्चिमी संग्रह में इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, चेकोस्लोवाकिया और ऑस्ट्रिया शामिल हैं।

पूर्वी संग्रह चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे देशों और मिस्र, सीरिया,फारस (पर्शिया) और अरब जैसे मध्य पूर्व देशों से हैं। भारतीय कलात्मक वस्तुओं में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य, लकड़ी की नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदांत, जेड, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच, उपयोगी शिल्प बर्तन आदि शामिल हैं।

दीर्घाओं की सूची:

1. **संस्थापक दीर्घा:** इस दीर्घा में सालार जंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क- II मोहम्मद अली खान, सालार जंग I, सालार जंग II और सालार जंग III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो इस दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं।

2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण दीर्घा:** संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोल काल के हैं।

3. **भारतीय मूर्तिकला दीर्घा:** यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट विशेषताओं को दर्शाती हैं। ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है और दीर्घा में प्रदर्शित अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियाँ, गांधार शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्मनिरपेक्ष मूर्तियां शामिल हैं।

4. **दक्षिण भारत की लघु कला से संबंधित दीर्घा:** भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है। इस दीर्घा में दर्शक निर्मल कार्य की लकड़ी की नक्काशी, धातुशिल्प और हाथीदंत नक्काशी की झलक देख सकते हैं। दीर्घा का प्रमुख भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है।

5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा:** संग्रहालय का वस्त्र संग्रह महत्वपूर्ण है और इसमें टाई और डाई या बंधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं। संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्रों, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं।

5. **हाथीदंत दीर्घा:** सालार जंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है। हाथीदंत का संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है। संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह हैं।

6. **वील्ड रेबेका दीर्घा:** इस दीर्घा में वील्ड रेबेका की मूर्ति को जी.बी. बेंज़ोनी द्वारा पारदर्शी दुपट्टे में तराशा गया है, इस महान कृति को 1876 ई. में सालार जंग I द्वारा खरीदा गया था। विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी. बेंज़ोनी ने अपनी अचूक छेनी से युवा रेबेक्का को शालीनता दुल्हन के रूप में पारदर्शी दुपट्टे में तराशा है।

7. **छड़ी दीर्घा:** इस दीर्घा में सालार जंग परिवार द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं।

8. **अस्त्र-शस्त्र और कवच दीर्घा:** अस्त्र- शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष-वाण और बारूद आदि शामिल हैं। रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतार सूट आदि शामिल हैं। संग्रहण में मुगल सम्राट औरंगजेब, टीपू सुल्तान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यकतियों के हथियार रखे गए है।

9. **धातु शिल्प दीर्घा:** रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फ़ारसी, बर्मी, जापानी, भारतीय, रूसी और अंग्रेजी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है।

10. आधुनिक भारतीय चित्रकला दीर्घा: प्रसिद्ध कलाकारों की कृतियाँ संग्रहालय के संग्रहण में सजाई गई हैं। दीर्घा में रवि वर्मा द्वारा रचित "द केरला ब्यूटी" और "स्टोलन इंटरव्यू" सजाई गई हैं। संग्रहण में प्रस्तुत बंगाली समूदाय के प्रतिनिधियों में रवीन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बेहारी मुखर्जी और वी.एस.मारोजी. जैसे कलाकारों की कृतियाँ प्रमुख हैं। दीर्घा में एम.एफ.हुसैन, के.के. हेब्बर, एन.एस.बेंदु, पणिकर, के.एस. कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पेडीराजू और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं।

11. भारतीय लघु चित्रकला दीर्घा: मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं। लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के प्रेम भूमि का बहुत बड़ा योगदान है। 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी का उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, संत, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली-कांगड़ा क्षेत्र से हैं। दक्कन क़लम के अंतर्निहित आकर्षण और व्यंजनों को प्रतिबिंबित करने के लिए अच्छी संख्या में लघु चित्रकारी भी उपलब्ध हैं। संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिस पर पश्चिम भारतीय चित्रकला की प्रारंभिक शैली अर्थात 14वीं और 15वीं शताब्दी ई.प. के चित्रण हैं।

12. खिलौने और गुड़िया: संग्रहालय के इस दीर्घा में खिलौनों और गुड़ियों का बृहत अच्छा संकलन मौजूद है। भारत में सालार जंग द्वारा संग्रहित खिलौने और गुड़ियों का संकलन सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही किया जाता रहा हैं। अलग-अलग स्थानों के खिलौनों का अपना अलग महत्व और प्रतिभा होता है। पुराने जमाने के हमारे शिल्पकार जंगली जानवरों, पक्षियों और देवताओं के मिट्टी के नमूने बनाकर बच्चों को पेश करते थे। कोंडापल्ली, विजयवाड़ा के खिलौनों ने पूरे देश और विदेश में एक महान प्रतिष्ठा स्थापित की है। खिलौने अमुमन पक्षियों, पौराणिक कथाओं और नित्य कार्मिकों से प्रभावित थे। इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए खिलौने बहुत ही नाजुक, दुर्लभ और अभिव्यक्तिपूर्ण चेहरों एवं वास्तविकता के अनुरूप हैं।

13. वनस्पति और जीव-जंतु दीर्घा: इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य यूरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर और चीनी मिट्टी से बने पशु और पक्षियां प्रदर्शित किए गए हैं।

14. बाल अनुभाग: इस अनुभाग में प्रदर्शित किए गए कलाकृतियों द्वारा दीर्घाओं में आने वाले बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। इस दीर्घा में विश्व के विभिन्न क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांस्य मूर्तियां, चीनी मिट्टी की कलाकृतियां, संगीत बक्से, संगमरमर की मूर्तियां और खिलौनों की भरमार हैं। जापान की गीशा गुड़िया, लियोनेल कॉर्पोरेशन ऑफ अमेरिका 1930 द्वारा निर्मित इंग्लैंड की कार्यात्मक चलती गाड़ी और स्नो व्हाइट के सात बौनों का एक सेट इस अनुभाग की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं।

15. अरबी और फ़ारसी पांडुलिपियाँ: अरबी और फ़ारसी पांडुलिपियाँ संग्रहालय का सबसे महत्वपूर्ण संकलन हैं। सबसे प्रचीन प्रदर्शित पांडुलिपि कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखी गई पवित्र कुरान है जो 9वीं शताब्दी ईस्वी सन की है। इसके अतिरिक्त यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है जो दोनों दीर्घाओं को सुशोभित करते हैं। अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुल्तान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहाँ की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँनारा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, मोहम्मद-बी-अब्दुल रहमान सम्मारकंडी (1424 ई. सं) द्वारा लिखित प्रदीप्त पवित्र कुरान (फिरदौसी) शाहनामा आदि हैं।

16. फ्रेंच अफ़्रीकी दीर्घा: इस दीर्घा में **24** कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं। एक अफ़्रीकी मुँह में पाइप रखकर अख़बार पढ़ते हुए दर्शाने वाली कलाकृति इस दीर्घा का आकर्षण केन्द्र है।

17. भारतीय रजत दीर्घा: इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (तेलंगाना राज्य) और कटक (ओडिशा) के फिलइग्री कलाकृतियां समृद्ध कलाकृतियाँ हैं।

18. कालीन दीर्घाएं: फ़ारसी कालीन संग्रहालय के मध्य-पूर्वी कला संग्रह में अद्वितीय स्थान रखते हैं। इस दीर्घा में जटिल बुनाई और आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के सुंदर नमूने, विशेष रूप से फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघे अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज़, किरमान, शिराज आदि दर्शाए गए हैं।

19. मिस्र और सीरियाई कला दीर्घा: यद्यपि प्रदर्शित किए गए मिस्र की अधिकांश कलाकृतियां प्राचीन मिस्र के राजाओं की महत्वपूर्ण मकबरों से ली गई मूल प्रतियों की केवल नकल हैं। कलाकृतियों में फर्नीचर, सजावटी सामान और हाथीदंत की नक्काशी शामिल है। 1340 ईसा पूर्व की तूतनखामेन सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र है। यद्यपि इस सिंहासन की नकल प्रति 20वीं सदी में बनाई थी, तथापि दर्शक इस सिंहासन को देखकर मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते है। सीरियाई कलाकृतियों में मोतियों की सीप जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं। उनमें से अधिकांश उत्कीर्ण किए हुए हैं।

20. जेड दीर्घा: जेड अर्ध-कीमती पत्थर है, जिसका रंग प्रायः पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों; हीरा पन्ना से स्याह काले हरे रंगों में मिलता है। इस संग्रह में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई व्हिस्क हैंडल और हेयर पिन आदि शामिल हैं। जेड अंकित बुक-स्टैंड का नाम "शम्सुद्दीन इल्तमिश" है, और मुगल सम्राट शाहजहाँ की उपाधि - "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" के साथ अंकित धनुर्धर अंगूठी उत्कृष्ट कलाकृतियाँ हैं। जेड से बनी हुई फलो की चाकु और छुरा जिसमें कीमती पत्थर जड़े हैं, क्रमशः जहांगीर और नूरजहाँ से संबंधित माने जाते है।

21. बिद्री दीर्घा: बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है। बिद्री कला सिर्फ बीदर से संबंधित नहीं है, परंतु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी की जाती थी। सामान्यतः यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है। काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको उत्कृष्टता प्रदान करता है। इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्पकला के नमूने जैसे हुक्का बॉटम्स, पानदान, ट्रे, सुराही, आफ्तबास, गुलदस्ता आदि प्रदर्शित है।

22. **कश्मीर दीर्घा:** कश्मीर कक्ष में पेपर मेशी, हाथीदंत, लकड़ी, रेशम और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल कारीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं।

23. **सिक्का दीर्घा:** संग्रहालय में विभिन्न अवधियों के सिक्कों का बृहत संग्रह है, जिसमें मगध शाही, मौर्य साम्राज्य, शातवाहना, विष्णुकुंडी, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्यों के सिक्कों को इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं। इस्लामी सिक्कें, खिलजी, तुगलक उनके बाद बहमनी निज़ाम शाही, बारीद शाही, मुगल, कुतुब शाही, आसिफजही जैसे दिल्ली के सुल्तान से संबंधित सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं।

24. **उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा:** यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियाँ में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं और मोरादाबाद और दक्कनी पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां और आदिवासी कलाओं का सेट इस दीर्घा में शोभायमान हैं।

25. **यूरोपीय फर्नीचर दीर्घा:** यूरोपीय फर्नीचर यूरोपीय कला-कृतियों के संकलन का अन्यतम आकर्षक हिस्सा है। फ्रेंच फर्नीचर में अलमारियाँ, कंसोल, कुर्सियाँ, सोफा-सेट, कमोड, रमणीय परदा, मेज आदि विविध सामग्री शामिल हैं, जो प्लुईस XIV (1643-1715), लुईस XV (1715-44) लुईस XVI (1774-92) और नेपोलियन-I की अवधि से संबंधित हैं।

26. चीनी दीर्घा: इस संग्रहालय के उल्लेखनीय चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी तक का है। बाहरी दुनिया में पहुंचने वाला प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन निस्संदेह "सेलादान" था, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री जैसा दिखता था। सुघंनी की बोतल इस दीर्घा की उत्कृष्ट गुण है। इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, सुघंनी की बोतल, गुलदान और फर्नीचर आदि शामिल हैं। संग्रहालय में चीनी हाथीदांत का संग्रहण अपनी जटिलता और कुशल नक्काशी के लिए बहुत दिलचस्प है। इसमें अधिकतम कलाकृतियाँ शामिल हैं, परंतु कुछ विस्तृत नक्काशीदार दाँत और रोगन से बनी हाथी दांत की कलाकृतियाँ 18वीं से 19वीं शताब्दी की हैं।

27. सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा: इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी तक चीन में बने चीनी मिट्टी के बरतन और 17वीं से 19वीं शताब्दी तक जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है।

28. जापानी दीर्घा: यद्यपि जापानी कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, इसने कला के साथ-साथ संस्कृति के क्षेत्र में भी अपनी पहचान विकसित की है। संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं के नीले और सफेद चीनी मिट्टी के बर्तन हैं जो 17वीं शताब्दी के है। संग्रहालय में प्रख्यात सत्सुमा बर्तनों का प्रचुर संकलन है जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, कटोरे और प्लेटें और चाय के छोटे सेट भी शामिल हैं। संग्रहालय में समुराई तलवारें हैं जिस पर हाथी दांत के मूठ लगे हैं, जो कटाना (बड़ी तलवार) के साथ-साथ वाकीज़ैश (छोटी तलवार) दोनों को दर्शाता हैं और उनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट होने वाला कोडज़ाका (मिसाइल हथियार के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी है।

29. सुदूर पूर्वी मूर्तिकला दीर्घा: इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसी देश से शिल्पकारी कलाओं से संबंधित रोचक चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। यहां की मूर्तिकला स्पष्ट रूप से तीन माध्यमों से बनी है, जैसे कांस्य, धातु और लकड़ी। अधिकांश दीर्घाएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित हैं जो बौद्ध धर्म के स्थायी प्रभाव को दर्शाती हैं जो भारतीय उपमहाद्वीप से चीन और जापान जैसी सुदूर भूमि तक फैला हुआ है।

बौद्ध मूर्तिकला के अतिरिक्त इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं।

30. और **32. सुदूर पूर्वी लकड़ी की नक्काशिदार फर्नीचर दीर्घा:** 17वीं से 20वीं शताब्दी तक चीन, जापान और बर्मा की लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहा प्रदर्शित है।

33. **यूरोपीय पेंटिंग दीर्घा:** तेल और जल पेंटिंग यूरोपीय संकलन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में कैनेलेटो, हयेज़, ब्लास, मार्क एल्डीन, डिज़ियानी, मैटेइन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों की कृतियाँ शामिल हैं। सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित कैनालेटोस का तैल चित्रकला "पियाज़ा सैन मार्को" एक मनमोहक कृति है। हयेज़ की मधुर रचना 'साबुन का बुलबुला' जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, वह पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

34. **यूरोपीय शीशा दीर्घा:** संग्रहालय में वेनिस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेल्जियम, तुर्की और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं। वेनिस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बारोक शैली में एकैन्थस, फूल और बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया।

35. **फ्रेंच दीर्घा:** इसमें बरोक, रोक्कोको, और नियो शास्त्रीय शैली फ्रांस की और ओरमोलू माउंटेड सेव्रेस से बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है।

36. **यूरोपीय घड़ी दीर्घा:** सालार जंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है। इस विविधता में चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घड़ी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल हैं। संग्रहालय में लुईस **XV**, लुईस **XVI** और फ्रांस के नेपोलियन-**I** के समकालीन काल की घड़िया इसके कुछ अच्छे उदाहरण भी हैं। यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घड़ी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी। इसमें एक यांत्रिक उपकरण लगा हुआ है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटा बजाता है और फिर वापस पिंजरे में चला जाता है।

37. **यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा:** संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है, जो सेव्रेस संचयन के बाद आता है। बकरे पर सवार एक दर्जी और उसकी पत्नी का चित्र ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का संकलन उत्कृष्ट नमूना है । अंग्रेजी चीनी मिट्टी के बरतन संकलन विभिन्न प्रकार के हैं जो ज्यादातर 19वीं शताब्दी के दौरान निर्मित हुए थे। उत्कृष्ट नमूनों में प्याली, तश्तरी, प्लेट, फूलदान, गर्म पानी की प्लेट, मूर्तियाँ आदि हैं। इस संग्रहण में वॉर्सेस्टर, चेल्सी, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचेस्टर, मिंटन, वेजवुड, आदि कारखानों के नमूने शामिल हैं।

38. **यूरोपीय कांस्य दीर्घा:** संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्यवर्ण की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल कलाकृतियां भी संग्रहित हैं जो काफी विख्यात हैं। ग्रीक कलाकृतियों में, 'लाऊकून एंड हिज सन्स' नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है। इस कला सदियों से यूनानी शिल्पकारों को प्रभावित किया है और उनमें से सबसे प्राचीन कलाकृति 50 ईसा पूर्व की हैं। इनके अतिरिक्त, यहां और कई प्रतिमाएं है जैसे स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर ऑन हार्स बैक, ऑगस्टस सीजर, नाइट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाती हैं।

39. **यूरोपीय संगमरमर दीर्घा:** संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बड़ा संकलन हैं यद्यपि उनमें से अधिकांश प्रसिद्ध शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल हैं, जो बगीचे में रखने वाली मुर्तियां है। इस कृति में विश्व प्रसिद्ध शिल्पकार जी.बी. बेंज़ोनी ने अपनी अचूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की शालीनता और यौवन को दर्शाया है। इसके अतिरिक्त, प्रोफेसर बोरियोन की 'क्लियोपेट्रा', फ्रांसीसी शिल्पकार की 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिभा उत्कृष्ट उदाहरण हैं। सुप्रसिद्ध फ्रांसीसी शिल्पकार, कैनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं जिनमें राजकुमारी पॉलीन को वीनस के रूप में दर्शाया गया है और वीनस की दूसरी मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं। इटली, फ्रांस और इंग्लैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर की मूर्तियाँ संग्रहालय में उपलब्ध हैं।

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री-वार अलग-अलग किया गया, जैसे वस्त्र, लकड़ी का फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन और पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्ष में स्थानांतरित किए गए हैं, इन कक्षों को कॉम्पैक्टर और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं जिसमें इन कलाकृतियों को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता हैं। अब तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कॉम्पैक्टर्स लगाए गए हैं।

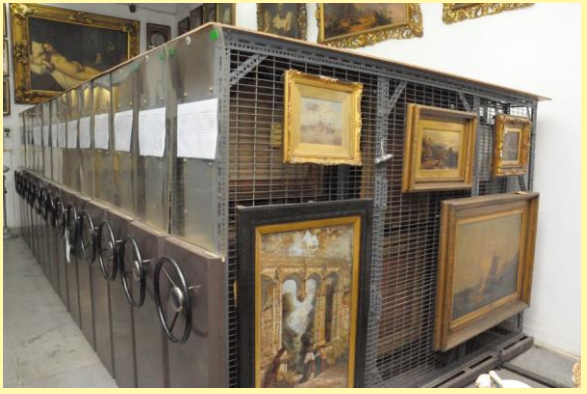

पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग

सालार जंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालार जंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियों का संकलन शामिल है। इस संकलन का उद्गम 1656 ई. में हुई थी। नवाब मीर तुराब अली खान, सालार जंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया था, जिसे उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालार जंग II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालार जंग III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की। पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंजिल पर स्थित है। इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, तेलुगु, फ़ारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें शामिल हैं।

अंग्रेजी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएँ, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान नक्काशी शामिल हैं। इस विशाल संग्रह की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक, जैविक और सामाजिक विज्ञान, साहित्य, इतिहास और यात्रा जैसी विभिन्न क्षेत्र की ज्ञानवर्धक पुस्तकें हैं। इसमें इस्लाम, हिंदूत्व, ईसाई और अन्य धर्मों से संबंधित धार्मिक पुस्तकों का संग्रह भी शामिल है। इस संग्रह की प्रचीनतम पुस्तक 1631 ई. में मुद्रित एक अंग्रेजी पुस्तक है। इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरेमिक कला, अलंकरण कला, संगीत शास्त्र, पर्यटन आदि जैसे विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं। संग्रहालय के कर्मचारियों के अतिरिक्त अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेश दोनों से) नियमित रूप से पुस्तकालय में आते रहते हैं। प्रतिदिन औसतन दस व्यक्ति अपनी शिक्षा के मूल को समृद्ध और विस्तारित करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। संग्रहालय में उत्कृष्ट पांडुलिपियों का संग्रहण अरबी, फ़ारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं में है। इस संग्रह में सुलेख पट्ट भी शामिल हैं। इन संग्रह में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फ़हान, शिराज, तब्रेज़, कछार, हर्थ, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकुंडा, बीजापुर, बीदर और हैदराबाद आदि शामिल हैं। पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिकी, रसायन विज्ञान, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों जैसे विषयों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

अरबी पांडुलिपियाँ

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियों का संग्रह है, इसका मुख्य आकर्षण गणित में बीजगणित (847 ईस्वी) पर 'शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर' नामक दुर्लभ कार्य है। खगोल-विज्ञान में सबसे पहला कार्य ग्लोब (16वीं शताब्दी) को तैयार करना और उसका उपयोग करना है। चिकित्सा के क्षेत्र में, एविसेना (इब्नसिना) का किताबुल क़ैनून की पांडुलिपि और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है। दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में रसैल इख्वानस सफ़ा (16वीं शताब्दी) का विश्वकोषीय कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है। तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक नसीरुद्दीन तुसी (1628 ई.) का प्रसिद्ध कार्य है और बादशाह जहाँगीर की शाही पुस्तकालय से अला शरहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं। यहा के संग्रहण में शियाओं और सुन्नियों, यहूदी और सूफियों द्वारा अदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लामी धर्मशास्त्र की पांडुलिपियां भी उपलब्ध हैं। सूफी सिद्धांत (दिल्ली1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर ता'अर्रुफ़ ली मधबित तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है। अबु नसर का साबब (1218 ई.) प्रचीनतम संग्रह है। जैउल क़वायद सिनटैक्स (1576 ई.) के विषय में एक दूर्लभ कोडेक्स है और निज़ाम-II की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखी गई अस शफ़िया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।

फ़ारसी पांडुलिपियाँ

यहां फ़ारसी भाषा की पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध है। इनमें से सबसे उत्कृष्ट रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परंपरा से संबंधित बीस चित्र शामिल हैं और इसे प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है। सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि बसैर फिल वुजुह वान नजीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ईस्वी में लिखी गई थी। तसव्वुफ़ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ लिप्यांतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया था। कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियाँ उपलब्ध हैं। कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य और अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं।

सुलेखन कला पर संग्रहालय में कई पांडुलिपियाँ हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियाँ, जो शाहजहाँ के लिए लिखी गई दस्तूर-ए-पुख्तन-एल अतामाह नाम से रचित हैं। इत्र (सुगंधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियाँ है। चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फ़ारसी में अनुवाद मुहम्मद अररादी द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गई तरजुमा-ए-मिन्हाजुल मायन उपलब्द हैं। संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा विश्वकोश भी उपलब्ध है। पशु चिकित्सा विज्ञान में, पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मुआलाजा-ए-जानवरन है और यह फिरोज शाह (1281 ईस्वी) को समर्पित है।

उर्दू, तुर्की, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियाँ: सालार जंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों पर उर्दू पांडुलिपियाँ हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा "नुरुस" और अंकगणित पर 'लीलावती' नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। तुर्की में 25 से अधिक पांडुलिपियाँ और कुछ हिंदी में और कुछ फ़ारसी लिपि में पांडुलिपियाँ हैं, जैन कल्पसूत्र में कुछ पन्ने और इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता से संबंधित कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में उपलब्ध हैं।

दर्शक सुवधिाएं

- संग्रहालय में स्वागत केंद्र और अलग से बुकिंग काउंटर की व्यवस्था की गई है।
- संग्रहालय में एक आमानती सामान भवन है और पहली मंजिल पर हैदराबादी व्यंजनों के लिए विशेष भोजनालय हेतु स्थान प्रस्तावित है और दूसरी मंजिल पर छोटी प्रदर्शनियों के संचालन के लिए छोटा सा प्रदर्शनी हॉल है।
- संग्रहालय में दर्शकों के लिए मुख्य भवन में पूर्ण कैफेटेरिया और भूतल पर पश्चिमी ब्लॉक में एक छोटे आउटलेट की व्यवस्था की गई है जिसे तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- दिव्यांगजनों के लिए व्हील चेयर और शौचालय की भी व्यवस्था की गई हैं।
- मल्टी-मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधाएं उपलब्ध हैं। संग्रहालय ने संपूर्ण सूचना के साथ चार दीर्घाओं में टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है। प्रवेश द्वार पर 65" स्क्रीन वाली संग्रहालय सूचना प्रणाली स्थापित की गई थी।
- संग्रहालय ने दर्शकों के लिए भूदृश्य और बैठने की सुविधा विकसित की है।
- तीनों भवनों के फ्लोर प्लान के संक्षिप्त स्केच के साथ सूचना और संकेत सहित आकर्षित बहुरंगी टिकट आरंभ किए गए है जिसे दर्शक बुकमार्क के रूप में संरक्षित कर सकते हैं।
- संग्रहालय देखने के लिए आने वाले दिव्यांगजनों के लिए तीनों ब्लॉकों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

- सभी भवनों के प्रवेश द्वारों पर रैंप की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।
- श्रवण दिव्याग के लिए सभी दीर्घाओं में कलाकृतियों के बारे में सामान्य लेबल और विवरण बोर्ड लगाए गए हैं।

- जरूरतमंदों के लिए विशेष रूप से एक शिशु आहार कक्ष बनाया गया है।

बुकिंग काउंटर

मल्टी-मीडिया, ऑडियो वीडियो विजुअल और मार्गदर्शक सुविधाएं उपलब्ध हैं। संग्रहालय द्वारा संपूर्ण सूचना के साथ चार दीर्घाओं में टच स्क्रीन प्रणाली लगाई गई है।

संग्रहालय के उद्देश्य

- संग्रहालय की कलाकृतियों और संकलन को संरक्षित और सुरक्षित रखना।
- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार संग्रहालय में सालार जंग के संकलन और अन्य अर्जित कलाकृतियों को प्रदर्शित करना।
- प्रख्यात विद्वानों, सांस्कृतिक संस्थानों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय के सहयोग से संग्रहालय संकलन और कला इतिहास से संबंधित व्याख्यान, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- वैज्ञानिक, सौंदर्यपूर्ण और सार्वजनिक-अनुकूल तरीके से मौजूदा दीर्घाओं में कलाकृतियों को आधुनिक रूप से प्रदर्शित और अनुरक्षित करना।
- जनसामान्य में संग्रहालय की कलाकृतियों और कला इतिहास के बारे में जागरूकता लाने के लिए अनुसंधान पत्रिकाओं, पुस्तकें, विवरणिका, बुकलेट आदि जैसे साहित्य को प्रकाशित करना।
- संग्रहालय को सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करना और इसे गतिशील सांस्कृतिक संगठन बनाना।

संग्रहालय के क्रियाकलाप

- संग्रहालय के क्रियाकलाप में संग्रहालय की कलात्मक संपदा का संकलन, प्रलेखन, प्रदर्शनी, संरक्षण और व्याख्यान आदि शामिल हैं।
- प्रत्येक वर्ष सालार जंग संग्रहालय द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है।
- उपरोक्त के अतिरिक्त संग्रहालय द्वारा प्रत्येक वर्ष संग्रहालय सप्ताह, बाल सप्ताह, ग्रीष्मकालीन कला शिविर, व्याख्यान, संगोष्ठी और कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती है।
- संग्रहालय सप्ताह पर दर्शकों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाता हैं। दृष्टि दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष प्रवेश संबंधी व्यवस्था और आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजत किया जाता है।

संग्रहालय के क्रियाकलाप

सालार जंग संग्रहालय के शिक्षा अनुभाग में निम्नलिखित शाखाएँ हैं:

1. शिक्षा
2. प्रकाशन
3. जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाएं गए हैं:

शिक्षा

(क) अस्थायी प्रदर्शनियां: विशेष/यात्रा प्रदर्शनियां, उत्सव प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां।

(ख) व्याख्यान: मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा, स्मारक व्याख्यान।

(ग) अन्य कार्यकलाप: ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विश्व धरोहर सप्ताह, सालार जंग III जयंती समारोह, संग्रहालय स्थापना दिवस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएँ और कार्यक्रम।

(घ) शैक्षणिक पाठ्यक्रम: संग्रहालय शास्त्र विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से)। आंतरिक कार्मिक एवं स्कूल के प्रध्यापको के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

(ङ) प्रलेखन: विषय सूची तैयार करना, मास्टर लेजरों का रखरखाव, संग्रहालय के कलाकृतियों का कम्प्यूटरीकरण, दीर्घा सीडी तैयार करना।

प्रकाशन

गाइड पुस्तकें, विवरणिका, पैम्फलेट, द्विवार्षिक सालार जंग संग्रहालय पत्रिका तैयार व मुद्रण करना, संग्रहालय स्मारिकाओं (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, सीडी, प्रतिकृतियां) आदि तैयार व मुद्रण करना, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण करना और बिक्री काउंटरों का रखरखाव। संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य सैंट्रल कॉटेज इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को दिया गया है।

जन संपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जन संपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है। इस शाखा के अंतर्गत सामान्य एवं अति विशिष्ट पर्यटकों को निःशुल्क गाइड सेवा प्रदान की जाती है। सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं। पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिका उपलब्ध कराई गयी है जिसके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है। जनसंपर्क की महत्वपूर्ण कार्यकलापों में संग्रहालय मार्गदर्शन, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, एएसआई, पर्यटन विभाग आदि जैसी अन्य एजेंसियों के साथ जन संपर्क बनाए रखना शामिल हैं।

सामाजिक मीडिया

- फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर संग्रहालय का अकाउंट हैं। फेसबुक: salarjungmuseum & library, ट्विटर: @sjmhyd, इंस्टाग्राम: salarjungmuseumhyd
- वर्ष 2020 से बुक माई शो के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू की गई थी
- संग्रहालय ने पर्यटकों के लिए अक्टूबर 2021 में मोबाइल ऑडियो मार्गदर्शन ऐप शुरू किया है।
- वर्ष 2020 में तीन भाषाओं में नई वेबसाइट शुरू की गई थी।

रासायनिक संरक्षण स्कंध

रासायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलाकृतियों का क्षति और खराबी को सुरक्षित परिरक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संरक्षण अनुभाग अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के संरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार है। संग्रहालय में परिरक्षण इकाई भी है। रासायनिक संरक्षण स्कंध के कार्य निम्नानुसार हैं:

दीर्घाओं में प्रदर्शित और भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक कलाकृतियों की जांच करना।

क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना।

प्राथमिकता के आधार पर वस्तुओं के उपचार के लिए की जाने वाली अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण करना और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना।

उस वस्तु का उपचार करना जो परिपक्षक और निवारक दोनों प्रकृति का हो।

इंजीनियरी स्कंध

निम्नलिखित कार्य हेतु इंजनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में की गई थी (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन की निगरानी करना, (ii) परिरक्षण की देखभाल करना, (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन और बागवानी विकास शामिल है। वर्तमान में, अभियांत्रिकी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन की सतत परियोजना में जुड़ा हुआ है।

सौर ऊर्जा संयंत्र

संग्रहालय ने तेलंगाना न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएनआरईडीसीएल) की सहायता से 650 kwp सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित और शुरू किया था। सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना से संग्रहालय लगभग विद्युत शुल्क पर प्रति वर्ष 60 लाख रुपये की बचत कर रहा है।

सभागार

संग्रहालय के पश्चिमी ब्लॉक में अपने शैक्षणिक कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यकलापों का आयोजन करने के लिए एक वातानुकूलित 'सभागार' है जिसमें 225 लोग बैठ सकते हैं। संग्रहालय जनहित में सरकारी संगठनों को उनके अनुरोध पर उनकी आधिकारिक बैठकें अर्थात शैक्षणिक और संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभागार मुहैया कराता है।

व्याख्यान कक्ष

संग्रहालय के पूर्वी ब्लॉक में संगोष्ठी, व्याख्यान जैसे संग्रहालय संबंधी शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए एक 'छोटा व्याख्यान कक्ष' है जिसमें 120 लोग बैठ सकते हैं। संग्रहालय जनहित में सरकारी संगठनों को उनके अनुरोध पर उनकी आधिकारिक बैठकें अर्थात शैक्षणिक और संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए व्याख्यान कक्ष मुहैया कराता है।

संग्रहालय कर्मचारी

परिरक्षक कर्मचारियों में क्यूरेटर, उप क्यूरेटर और दीर्घा सहायक शामिल हैं। उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार (आरक्षित संग्रहण) दोनों में रखे कलाकृतियों की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके प्रलेखन, दीर्घाओं और आरक्षित संग्रहण का अनुरक्षण सुनिश्चित करना है। प्रदर्शनियों के आयोजन और दीर्घा संबंधी व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्यूरेटर जिम्मेदार है। इसके अतिरिक्त यहां एक फोटोग्राफी अनुभाग भी है। वरिष्ठ गाइड व्याख्याता और गाइड व्याख्याता की सहायता से पर्यटकों के मार्गदर्शित दौरे आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उदगम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं।

सालार जंग सग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार और तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसमें सदस्य होते हैं। 11 सदस्यों में से पांच सदस्य पदेन होते हैं और छह सदस्य मनोनीत होते हैं।

बोर्ड को प्रशासनिक, वित्तीय और विकासात्मक कार्यकलापों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने के लिए चार समितियों अर्थात; कार्यकारी, वित्तीय, भवन सलाहकार और संग्रहालय विकास समितियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

बोर्ड की संरचना

(क)	तेलंगाना राज्य के राज्यपाल,	पदेन अध्यक्ष
(ख)	संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि, जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो और जो उप-सचिव, के स्तर से कम न हो।	पदेन सदस्य
(ग)	महापौर, हैदराबाद महानगर निगम	पदेन अध्यक्ष
(घ)	उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति,	पदेन अध्यक्ष
(ङ)	महालेखाकार, तेलंगाना	पदेन अध्यक्ष

(च) *केंद्र सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला व्यक्ति, जो दिवंगत नवाब सालार जंग बहादुर के परिवार का सदस्य हो, जिनकी मृत्यु 02 मार्च, 1949 को हुई थी।

(छ) *केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिन्हें यथासंभव संग्रहालयों से संबंधित प्रशासनिक मामलों का ज्ञान हो।

(ज) *राज्य सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति।

मनोनित सदस्यों का कार्यकाल 05 वर्ष का होता है।

वर्ष 2022-23 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार हैं

1.	डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना, हैदराबाद (08 फरवरी 2020 से)	पदेन अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (संग्रहालय) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	पदेन सदस्य
3.	श्रीमती गडवाल विजय लक्ष्मी, माननीय महापौर हैदराबाद महानगर निगम, हैदराबाद दिनांक 11-02-2021 से	पदेन सदस्य
4.	प्रोफेसर डी. रविंदर, कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद। (24-5-2021 से)	पदेन सदस्य
5.	(i) श्री अनिंद्धा दास गुप्ता, IA&AS महालेखाकार (लेखा एवं हकदार) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (11 अक्टूबर 2022 तक) (ii) श्री जितेन्द्र एस करापे, IA&AS प्रधान महालेखाकार (A&E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (12 अक्टूबर 2022 से)	पदेन सदस्य
6.	नवाब एहतराम अली खान, म. सं. 9-4-2, टोली चौकी, (सालार जंग परिवार) हैदराबाद।	नामित सदस्य भारत सरकार
7.	प्रो वी किशन राव, एआईएचसीए के H.O.D. (सेवानिवृत्त) रजिस्ट्रार (सेवानिवृत्त) उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद	नामित सदस्य भारत सरकार

8.	डॉ. एस. जय किशन अध्यक्ष, भवन्स न्यू साइंस कॉलेज रामकोट, हैदराबाद	अध्यक्ष भारत सरकार
9.	डॉ. जी. कमलाकर निदेशक (सेवानिवृत्त), बिड़ला विज्ञान संग्रहालय, हैदराबाद।	नामित सदस्य भारत सरकार
10.	डॉ. राममोहन जोघु, श्री मीनाक्षी अस्पताल, बोयापल्ली गेट रोड, तेलंगाना चौरास्ता के नजदीक, महबूब नगर, तेलंगाना राज्य (राजपत्रित अधिसूचना दिनांक 23 नवंबर, 2021 शुद्धिपत्र दिनांक 31 दिसंबर, 2021)	नामित सदस्य तेलंगाना सरकार
11.	श्री रमेश जमालपुर म. सं 2-8-2/1, भारतीय स्टेट बैंक के नजदीक, मार्केट रोड, महबूब नगर, तेलंगाना (राजपत्रित अधिसूचना दिनांक 23 नवंबर, 2021) शुद्धिपत्र दिनांक 31 दिसंबर, 2021)	नामित सदस्य तेलंगाना सरकार

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय की ओर से सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव को सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

वर्ष के दौरान डॉ. श्रीमती तमिलिसै सौंदरराजन, तेलंगाना राज्य के महामहिम राज्यपाल और अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 29 अक्टूबर, 2022 को सालार जंग संग्रहालय बोर्ड की बैठक आयोजित की गई थी।

कार्यकारी समिति:

कार्यकारी समिति में 5 सदस्य होते हैं। पदेन अध्यक्ष के रुप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति और बोर्ड के चार (4) मनोनीत सदस्य होते हैं।

1.	प्रोफेसर डी रविंदर, कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय	पदेन अध्यक्ष

2. (i) अनिंद्धा दास गुप्ता, IA&AS;

सदस्य महालेखाकार (A&E), हैदराबाद। सदस्य
(11 अक्टूबर 2022 तक)

(ii) श्री जितेन्द्र एस करापे, IA&AS
प्रधान महालेखाकार (A&E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद
(12 अक्टूबर 2022 से)

3. उप सचिव/निदेशक सदस्य
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

4. नवाब एहतराम अली खान सदस्य
म. सं 9-4-2, टोली चौकी,
हैदराबाद।

5. प्रो. वी किशन राव सदस्य
भूतपूर्व पंजीयक, उस्मानिया विश्वविद्यालय,
हैदराबाद

प्रो. डी रविंदर, कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय और कार्यकारी समिति के अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति की बैठक दिनांक 12 सितंबर 2022 को आयोजित की गई थी।

वित्त समिति

वित्त समिति में 6 सदस्य होंगे:

i) महालेखाकार (A&E) तेलंगाना पदेन अध्यक्ष

ii) अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड सदस्य
द्वारा नामित बोर्ड के सदस्य,

iii) कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद। सदस्य

iv)	वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो।	पदेन सदस्य
v)	भारत सरकार द्वारा मनोनीत संस्कृति मंत्रालय	पदेन सदस्य
vi)	निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद	सदस्य, सचिव

वित्त समिति के सदस्यों के नाम निम्नानुसार हैं

1)	(i) श्री अनिंद्धा दास गुप्ता, IA&AS महालेखाकार (A&E) तेलंगाना राज्य हैदराबाद। (11 अक्टूबर 2022 तक) (ii) श्री जितेन्द्र एस करापे, IA&AS प्रधान महालेखाकार (A&E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (12 अक्टूबर 2022 से)	पदेन अध्यक्ष
2)	डॉ. जी. कमलाकर निदेशक, सेवानिवृत्त। बिड़ला संग्रहालय, हैदराबाद।	सदस्य
3)	प्रोफेसर डी. रविंदर, कुलपति उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद।	पदेन सदस्य
4)	वित्तीय सलाहकार (आईएफडी) या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के स्तर से कम न हो	पदेन सदस्य
5)	निदेशक (सदस्य), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।	पदेन सदस्य

6)	डॉ. ए. नागेंद्र रेड्डी निदेशक सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद	सदस्य, सचिव

वित्त समिति ने दिनांक 28 अगस्त, 2022 को वर्ष 2021-22 के लिए संग्रहालय के वार्षिक लेखा को मंजूरी दी थी और संग्रहालय को लेखा परीक्षा महानिदेशालय (केंद्र) तेलंगाना के कार्यालय से लेखा-परीक्षा कराने की अनुमति दी थी।

भवन सलाहकार समिति

1.	प्रोफेसर डी. रविंदर कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	पदेन अध्यक्ष
2.	(i) अनिंद्धा दास गुप्ता महालेखाकार (A&E), तेलंगाना राज्य, हैदराबाद। (11 अक्टूबर 2022 तक) (ii) श्री जितेंद्र एस. करापे, IA&AS प्रधान महालेखाकार, (A&E) तेलंगाना राज्य, हैदराबाद (12 अक्टूबर 2022 से)	पदेन सदस्य
3.	सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. (उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति को नामित करने का अनुरोध किया जाएगा)	सदस्य
4.	जेएनएफएयू से वरिष्ठ प्रोफेसर (जेएनएफएयू के कुलपति को नामित करने का अनुरोध किया जाएगा)	सदस्य
5.	डॉ. जी. कमलाकर निदेशक, सेवानिवृत्त। बिड़ला संग्रहालय, हैदराबाद।	सदस्य
6.	डॉ. एस जय किशन अध्यक्ष भवन्स न्यू साइंस कॉलेज रामकोट, हैदराबाद।	सदस्य
7.	निदेशक सालार जंग संग्रहालय	सदस्य

संग्रहालय विकास समिति

इसमें मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार और 6 मनोनीत सदस्य शामिल होंगे।

	मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद	पदेन अध्यक्ष
1.	आयुक्त, जीएचएमसी	सदस्य
2.	महालेखाकार (A&E), तेलंगाना	पदेन सदस्य
3.	प्रधान सचिव/सचिव, पर्यटन और संस्कृति विभाग, तेलंगाना सरकार	पदेन सदस्य
4.	नवाब एहतराम अली खान एसजेएम बोर्ड के सदस्य	सदस्य
5.	एसजेएम बोर्ड के सदस्य, तेलंगाना सरकार के प्रतिनिधि	सदस्य
6.	निदेशक सालार जंग संग्रहालय	सदस्य

वित्तीय स्थिति- एक नज़र में

2022-2023

(रुपये लाख में)

लेखा शीर्ष	अनुदान	व्यय	कुल	शेष
31-सामान्य सहायता अनुदान	1098.17	31-सामान्य सहायता अनुदान	1070.44	27.73
35-सामान्य सहायता अनुदान - सीसीए	100.00	35-सामान्य सहायता अनुदान - सीसीए	100.00	0.00
36- वेतन सहायता अनुदान	1277.42	36-वेतन सहायता अनुदान	1277.42	0.00
96.31 स्वच्छ भारत	2.00	96.31 स्वच्छ भारत	2.00	0.00
जोड़	**2477.59**	**जोड़**	**2449.86**	**27.73**

6,06,23,176/- रुपये की गेट प्राप्तियां और अन्य प्राप्तियां भवन और बागवानी के अनुरक्षण के लिए व्यय की गई।

पर्यटक: पिछले पांच वित्तीय वर्षों अर्थात 2018-19 से 2022-23 के लिए पर्यटकों की संख्या को दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार हैं।

वित्तीय वर्ष	भारतीय पर्यटक	गैर-भारतीय पर्यटक	राजस्व रुपये में
2018-19	13,37,624	8,041	2,39,47,890
2019-20	12,11,766	6,829	2,10,26,660
2020-21	1,47,746	84	28,12,010
2021-22	4,30,245	505	1,38,21,830
2022-23	9,68,475	4,354	4,41,39,590

रिपोर्ट वर्ष के दौरान 9,72,829 पर्यटकों (4,354 गैर-भारतीय पर्यटक सहित) ने संग्रहालय का दौरा किया। प्रवेश टिकटों की बिक्री से जुटाए गए राजस्व 4,41,39,590/- रुपये (गैर-भारतीय पर्यटकों से प्राप्त 21,77,000/- रुपये सहित) है।

प्रदर्शनियां

इस अवधि के दौरान संग्रहालय ने 42 (21 अस्थायी प्रदर्शनियां, और 21 ऑनलाइन प्रदर्शनियां) कार्यशालाएं, संगोष्ठी, 6 व्याख्यान और महत्वपूर्ण धार्मिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय के साथ 17 कार्यक्रमों का आयोजन किया था।

(i) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया था। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 13 अप्रैल, 2022 को किया गया था।

(ii) संग्रहालय ने सिख हेरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद डेक्कन के सहयोग से दिनंक 17 अप्रैल, 2022 को तख्त सचखंड श्री हजूर अबचल नगर साहिब पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(iii) "अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस" (16 मई, 2022) के अवसर पर सप्ताह भर कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

(क) दिनांक 16 मई, 2022 को संग्रहालय के आरक्षित संकलन से 75 कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।

(ख) "आज़ादी का अमृत महोत्सव" विषय पर स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 16 मई 2022 को किया गया था।

(iv) "हैदराबाद आर्ट सोसाइटी" के कलाकारों द्वारा चित्रित 75 चित्रकलाओं की विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 17 मई, 2022 को किया गया था।

(v) संग्रहालय ने नवाब मीर यूसुफ अली खान (सालार जंग III) की 133वीं जयंती समारोह के अवसर पर दिनांक 14 जून, 2022 को सालार जंग के संकलन से संबंधित एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(vi) संग्रहालय ने सालार जंग III की जयंती के अवसर पर दिनांक 14 जून, 2022 को एक विशेष सुलेखन प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(vii) संग्रहालय ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर दिनांक 20 जून, 2022 को योग अभ्यास, आसन और इसके इतिहास पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(viii) संग्रहालय ने "जगन्नाथ रथ यात्रा" के अवसर पर दिनांक 30 जून, 2022 को एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(ix) संग्रहालय द्वारा दिनांक 08 अगस्त, 2022 को केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहयोग से प्रख्यात तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।

(x) संग्रहालय ने दिनांक 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंश के रूप में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (1857-1947) की एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(xi) "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर कला शिविर 2022 से 75 कलाकारों द्वारा चित्रित चित्रकारी की एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती गडवाल विजयलक्ष्मी, माननीय महापौर GHMC द्वारा दिनांक 17 अगस्त 2022 को किया गया था।

(xii) संग्रहालय ने दिनांक 15 सितंबर, 2022 को "ऑपरेशन पोलो" पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया था। हरियाणा के माननीय राज्यपाल डॉ. बंडारू दत्तात्रेय ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था।

(xiii) संग्रहालय ने दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को "गांधी जयंती" के अवसर पर "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी" पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(xiv) संग्रहालय ने दिनांक 04 अक्टूबर, 2022 को "विजय दशमी" उत्सव के अवसर पर "देवी दुर्गा" पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(xv) संग्रहालय ने दिनांक 26-11-2022 को 'संविधान दिवस' के अवसर पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया था, जिसमें भारतीय संविधान के निर्माण और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़ी तस्वीरें प्रदर्शित की गई थी।

(xvi) संग्रहालय ने दिनांक 17 दिसंबर, 2022 को 71वें संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. वाई.एस.आर. राज्य संग्रहालय, हैदराबाद के सहयोग से ए.आर. चुघताई पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(xvii) क्रिसमस उत्सव के अवसर पर संग्रहालय ने दिनांक 24 दिसंबर, 2022 को 'मेरी क्रिसमस;' ईसा मसीह के जन्म दिवस पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(xviii) 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर संग्रहालय ने 26 जनवरी, 2023 को भारतीय संविधान और स्वतंत्रता सेनानियों पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

(xix) दिनांक 25 और 26 फरवरी, 2023 को संग्रहालय में अल-आरिफ जनरल हास्पिटल यूनानी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य हेतु यूनानी (हर्बल) एकल दवाओं पर दो दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।

इस अवधि के दौरान संग्रहालय ने कला प्रेमियों, इतिहासकारों, छात्रों और नेटिजनों सहित आम जनता के हित के लिए सालार जंग संग्रहालय के फेसबुक अकाउंट, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर 21 ऑनलाइन प्रदर्शनियां आयोजित की थी।

क्रम सं	प्रदर्शनी का नाम	तिथि
i	पहाड़ी चित्रकला	06 अप्रैल, 2022
ii	पहाड़ों की कला	06 अप्रैल, 2022
iii	जादुई कांस्य	18 मई, 2022
iv	दक्षिण भारतीय कांस्य	18 मई, 2022
v	करामाती लकड़ी	16 जून, 2022
vi	भारतीय कला में लकड़ी	16 जून, 2022
vii	रागमाला चित्रकला की माधुर्य	12 जुलाई, 2022
viii	कला में कृष्ण	18 अगस्त 2022
lx	कृष्ण की छवियां	18 अगस्त 2022
x	हैदराबाद के निज़ाम II पर एक मुहिम	15 सितंबर, 2022
xi	बकरीद संबंधी कला	15 सितंबर, 2022
xii	कला में दुर्गा	04 अक्टूबर, 2022
xiii	कला में रामायण	21 अक्टूबर, 2022
xiv	कल्कि अवतार	22 नवंबर, 2022
xv	कला में मैडोना	19 दिसंबर, 2022
xvi	थंगका चित्रकला में नृत्य करते हुए गणपति	31 जनवरी 2023
xvii	थंगका चित्रकला में चक्रसंवर - बौद्ध देवता	31 जनवरी 2023
xviii	थंगका चित्रकला - वसुधारा, समृद्धि की देवी	31 जनवरी 2023
xix	थगका चित्रकला - अवलोकितेश्वर – दयावान बुद्ध	31 जनवरी 2023
xx	शानदार भारतीय जेड	27 फरवरी 2023
xxi	महिमा का प्रतीक -तलवारों की प्रदर्शनी	मार्च, 2023

संगोष्ठी

- इतिहास संकल्प समिति (भारतीय) तेलंगाना राज्य और सालार जंग संग्रहालय ने संयुक्त रूप से दिनांक 24 अप्रैल, 2022 को "तेलंगाना क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों (1857-1948)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया था। श्री जी किशन रेड्डी, माननीय केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, भारत सरकार ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया था।

सम्मेलन

- साउथ इंडियन न्यूमिस्मैटिक सोसाइटी का दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन दिनांक 10 और 11 मार्च, 2023 को सालार जंग संग्रहालय और साउथ इंडियन न्यूमिस्मैटिक सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया था। श्री वी.एन.आर. नायडू, मुख्य महाप्रबंधक, भारत सरकार, डॉ. डी. राजा रेड्डी, उपाध्यक्ष, डॉ. सत्यमूर्ति, संपादक, साउथ इंडियन न्यूमिज़माटिक सोसाइटी, प्रो. राजावेलु, सम्मेलन के महासचिव ने दिनांक 10 मार्च, 2023 को उद्घाटन समारोह में भाग लिया था।

कार्यशाला/प्रदर्शन

- "अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह" के दौरान संग्रहालय ने दिनांक 17 मई 2022 को "बिद्री शिल्पकला निर्माण" पर एक दिवसीय कार्यशाला/प्रदर्शन का आयोजन किया था।

व्याख्यान

- दिनांक 17 मई-2022 को संग्रहालय की ओर से बिद्री बर्तन बनाने पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।

- दिनांक 18 मई, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह के दौरान श्री बी.कोटैया, उप-क्यूरेटर (सेवानिवृत्त) द्वारा "यूरोपीय कला में विनोद" पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया था।

- दिनांक 21 मई, 2022 को श्रीमती अनुराधा रेड्डी, संयोजक, इनटेक, हैदराबाद चैप्टर द्वारा "हैदराबाद की धरोहर" पर विशेष व्याख्यान दिया गया था।

- "सालार जंग III की जयंती" के अवसर पर सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 15 जून, 2022 को एक स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया था। यह व्याख्यान श्री बी.कोटैया, उप क्यूरेटर (सेवानिवृत्त) सालार जंग संग्रहालय द्वारा दिया गया था।

- गोएथे-ज़ेंट्रम, हैदराबाद ने सालार जंग संग्रहालय के सहयोग से दिनांक 24 नवंबर, 2022 को थॉमस लुटगे द्वारा लिखित पुस्तक 'गोलकुंडा हैदराबाद 1975/1996/2012' का विमोचन और पुस्तक वाचन कार्यक्रम का आयोजन किया था।

1) चित्रकार-2 सालार जंग प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 25 अप्रैल, 2022 को किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह

2) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 16 मई, 2022 से अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय सप्ताह मनाने का निर्णय लिया और अपने नियंत्रण वाले सभी संग्रहालयों को इसकी सूचना दी थी। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 16 से 21 मई, 2022 तक विभिन्न शैक्षिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों पर सप्ताहिक कार्यक्रम मनाए गए। संग्रहालय ने सेंट्रल ब्लॉक के भूतल पर पर्यटकों से सुझाव आमंत्रित करते हुए बृहत संदेश बोर्ड की शुरूआत की। इस अवधि के दौरान संग्रहालय ने कार्यक्रमों का आयोजन किया है-

- जे.एन.ए.एफ.ए.यू. (जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय) हैदराबाद के कर्मचारियों द्वारा स्कूली बच्चों के लिए चित्रकारी और पेंसिल से बने रेखाचित्र पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

- संग्रहालय ने व्यापारिक मॉल (मग जिसमें कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने और संग्रहालय भवन की तस्वीरें हैं) शुरू किया।

- भाग्यनगर फोटो आर्ट सभा के सहयोग से फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस संदर्भ में फोटोग्राफरों को संग्रहालय की दीर्घाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों की तस्वीरें लेने की अनुमति दी गई थी। विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

3) डॉ. (श्रीमती) तमिलिसै सौंदरराजन, महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना और अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने दिनांक 21 मई, 2022 को सप्ताहिक समारोह के समापन दिवस पर सालार जंग संग्रहालय का दौरा किया।

4) संग्रहालय में दिनांक 14 जून, 2022 को संग्रहालय के संस्थापक नवाब मीर यूसुफ अली खान सालार जंग III की जयंती दिवस मनाई गई।

5) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, संग्रहालय ने "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" 21 जून, 2022 को मनाया था। संग्रहालय के केन्द्रीय ब्लॉक में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुबह 7.00 बजे से 7.45 बजे तक योग कार्यक्रम में भाग लिया था। इस योग कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय स्कूल के छात्रों ने भी भाग लिया था, प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी।

6) दिनांक 04 जुलाई, 2022 को 'अल्लूरी सीता राम राजू' के जयंती पर उनकी चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

7) डॉ. (श्रीमती) तमिलिसै सौंदरराजन, महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना और अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड ने दिनांक 12 अगस्त 2022 को सेल्फी पॉइंट "आई लव एसजेएम" का उद्घाटन किया।

- दिनांक 12 अगस्त 2022 को जनता सहित अधिकारियों, कर्मचारियों, सी.आई.एस.एफ. कर्मचारियों और बच्चों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज लेकर मार्च कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 14 अगस्त-2022 को "भारत आज़ादी का अमृत गीत" पर संगीत एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

8) 15 अगस्त-2022 को संग्रहालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

9) दिनांक 05 सितंबर-2022 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन को उनके जन्म दिवस समारोह (शिक्षक दिवस) पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

10) दिनांक 17 सितंबर-2022 को सालार जंग संग्रहालय में "हैदराबाद मुक्ति दिवस" के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

11) दिनांक 02 अक्टूबर-2022 को संग्रहालय में "गांधी जयंती" मनाई गई। इस अवसर पर संग्रहालय में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की प्रदर्शनी सह बिक्री कार्यक्रम आयोजित किया गया।

12) बाल सप्ताहः संग्रहालय में दिनांक 14 से 20 नवंबर 2022 तक "बाल सप्ताह" मनाया गया। इस अवसर पर संग्रहालय ने बच्चों के लिए निबंध लेखन, चार भाषाओं में वक्तृत्व कला और चित्रकारी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

13) संग्रहालय स्थापना दिवसः दिनांक 16 दिसंबर, 2022 को संग्रहालय में स्थापना दिवस मनाया गया।

14) संग्रहालय सप्ताहः दिनांक 08 से 14 जनवरी, 2023 तक सालार जंग संग्रहालय में संग्रहालय सप्ताह मनाया गया। इस अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- दिनांक 11 जनवरी, 2023 को महिला स्टाफ सदस्यों के लिए आम रंगोली आयोजित की गई।
- आजादी का अमृत महोत्सव विषय पर महिलाओं (तीन आयु समूह में) के लिए पारंपरिक रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई । विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।
- संग्रहालय परिसर में आजादी का अमृत मातोसव विषय पर महिलाओं और बालिकाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में आयोजित की गई थी। श्रीमती जी. काव्या किशन रेड्डी, अध्यक्ष, एबीवी फाउंडेशन ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं

15) स्वामी विवेकानन्द की जयंती: स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। श्रीमती काव्या किशन रेड्डी, अध्यक्ष, एबीवी फाउंडेशन ने दिनांक 12 जनवरी, 2023 को स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण किया।

16) गणतंत्र दिवस समारोह: 26 जनवरी, 2023 को संग्रहालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। डॉ. ए. नागेंद्र रेड्डी, निदेशक, सालार जंग संग्रहालय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। गणतंत्र दिवस समारोह में अधिकारी, संग्रहालय कर्मचारी और के.औ.सु.ब के कर्मचारी भी शामिल हुए।

17) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: सालार जंग संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 8 मार्च को होली उत्सव की छुट्टी होने के कारण संग्रहालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 14 मार्च, 2023 को मनाया गया। श्रीमती सुरभि वाणी देवी, MLC, संस्थापक श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई थी। प्रो. डी.एन. कविता दयानी राव, कुलपति, JNFAU ने सम्मानीय अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

स्वच्छ भारत

- संग्रहालय ने 2014 से नियमित कार्यकलाप के रूप में संग्रहालय और उसके आसपास की स्वच्छता बनाए रखने के लिए 'स्वच्छ भारत' के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलाप शुरू किए।
- समय-समय पर संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी तथा के.औ.सु.ब के कर्मचारी संग्रहालय भवनों और भवन की छतों की सफाई से संबंधित कार्य करते हैं।

यौन उत्पीड़न:

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 24 सितंबर, 2019 के जीओएमएस संख्या 20-12-2018 में निर्देश दिया है कि वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले प्रत्येक संगठन को वर्ष के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामलों की संख्या और अधिनियम के अंतर्गत निपटाए गए मामलों को संगठन की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल करना चाहिए। जहां तक सालार जंग संग्रहालय का संबंध है, इस संग्रहालय के कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न की ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है अतः निस्तारण की गई शिकायतों को शून्य माना जाए।

संग्रहालय के अनुभागों का कार्यकलाप:

क) पांडुलिपि अनुभाग

पांडुलिपि अनुभाग का कार्यकलाप संक्षेप में निम्नानुसार हैं:

क) दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या : 153

ख) देखे गए पांडुलिपियों की संख्या : 226

ग) पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन : 5134

ख) पुस्तकालय अनुभाग:

प्राच्य अनुभाग सहित पुस्तकालय का कार्यकलाप संक्षेप में निम्नानुसार हैं

क) दौरा करने वाले विद्वानों /पाठकों की संख्या :216

ख) देखे गए पुस्तकों/पत्रिकाओं की संख्या : 674

ग) पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं का भौतिक सत्यापन: 19868

ग) कलाकृतियों का भौतिक सत्यापन: इस अवधि के दौरान - 6555 कलाकृतियों का भौतिक रूप से सत्यापन किया गया

घ) रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला :

इस अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों की 185 कलाकृतियों का रासायनिक उपचार और परिरक्षण किया गया । इसके अतिरिक्त, रासायनिक प्रयोगशाला ने 353 गैर- कलाकृतियों (पुस्तक और रजिस्टर सहित) के उपचार का कार्य भी किया।

ङ) प्रलेखन और डिजिटलीकरण

- जतन प्रबंधन सॉफ्टवेयर: इस अवधि के दौरान 624 कलाकृति अपलोड किए गए। 48,367 कलाकृतियों में से 47,773 कलाकृतियों का डेटा संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रविष्ट और अपलोड किया गया।
- इस अवधि के दौरान 1302 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया। कुल डिजीटल पांडुलिपियों की संख्या 6663 है।

पुरस्कार:

- सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद को वर्ष 2021-22 के दौरान दान के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा 'सेवा पुरस्कार' दिया गया। डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना ने दिनांक 15 दिसंबर, 2022 को सालार जंग संग्रहालय के निदेशक डॉ. ए.नागेंद्र रेड्डी को ट्रॉफी प्रदान की।
- सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद को भारतीय जनसंपर्क समिति (पीआरएसआई) द्वारा निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत 'द्वितीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

  (क) कॉर्पोरेट वेबसाइट - द्वितीय पुरस्कार

  (ख)पीआर ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया – द्वितीय पुरस्कार

विकास कार्य

- दिनांक 14 जून 2022 को नवीनीकृत बुकिंग कार्यालय का उद्घाटन किया गया ।
- बच्चों के लिए परस्पर संवादात्मक केन्द्र का निर्माण कार्य शुरू किया गया। आंतरिक कार्य प्रगति पर है।

दीर्घाओं का पुनर्गठन

- दो दीर्घाओं का उद्घाटन i) भारतीय कांस्यवर्ण दीर्घा और ii) दिनांक 29 अक्टूबर 2022 को दक्षिण भारत की लघु कला दीर्घा का उद्घाटन डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना द्वारा किया गया।

भारतीय कांस्यवर्ण दीर्घा

दक्षिण भारत की लघु कला दीर्घा

• निम्नलिखित दीर्घाओं का पुनर्गठन कार्य पूरा हो चुका है और उद्घाटन के लिए तैयार है
i) भारतीय मूर्तिकला दीर्घा, ii) बिद्री बर्तन दीर्घा और iii) लैंप दीर्घा

भारतीय मूर्तिकला दीर्घाएं

बिद्री बर्तन दीर्घा

लैंप दीर्घा

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान पुनःसंगठन कार्य किए गए और वर्तमान में निम्नलिखित दीर्घाओं का कार्य शेष हैं
i) संस्थापक दीर्घा, ii) यूरोपीय कांस्य दीर्घा और iii) यूरोपीय संगमरमर दीर्घा

वार्षिक लेखा
वर्ष
2022-2023
के लिए

विषयवस्तु

क्रं. सं	विवरण	अनुसूची संख्या	पृष्ठ सं
1	तुलन पत्र		56
2	आय एवं व्यय लेखा		57
3	प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा		58-59
अनुसूचियां – तुलन पत्र			
4	कॉर्पस/पूंजीगत निधि	1	60
5	आरक्षित एवं अधिशेष	2	61
6	चिह्नित निधि	3	62
7	प्रारक्षित ऋण एवं उधार	4	63
8	गैर-प्रारक्षित ऋण एवं उधार	5	63
9	आस्थगित ऋण देयताएँ	6	64
10	चालू देनदारियाँ और प्रावधान	7	65
11	नियत आस्तियां	8	66-67
12	चिह्नित/ धर्मदाय निधि से निवेश	9	68
13	निवेश - अन्य	10	69
14	रद्दी आस्ति	10क	69
14	चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम	11	70-71
अनुसूचियां – आय और व्यय लेखा			
15	विक्रय/सेवाओं से आय	12	72
16	अनुदान/परिदान	13	73
17	शुल्क/अभिदान	14	73
18	निवेश से आय	15	74
19	रॉयल्टी, प्रकाशन से आय	16	74
20	अर्जित ब्याज	17	75
21	अन्य आय	18	76-
22	नियत आस्तियों की विक्रय पर आय	18 क	77

23	तैयार माल के स्टॉक में घट-बढ और चालू कार्य	19	78
24	**स्थापना व्यय**	20	79
25	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	80-81
26	कें.औ.सु.ब पर भुगतान	21क	82
27	पूर्ववर्ति अवधि समायोजन	21 ख	82
28	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय,	22	82
29	ब्याज	23	82
30	अनुसूची 18 का अनुबंध - अन्य आय		83
31	अन्य जमा, कर्मचारी अग्रिम और बयाना राशि	अनुबंध-11,7	84
कर्मचारियों के जीपीएफ लेख			85
32	जीपीएफ तुलन पत्र		85
33	प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा जीपीएफ शेष		85
34	जीपीएफ लेख		86
35	जीपीएफ निवेश और जीपीएफ जमा और निकासी की अनुसूची		
36	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखों पर टिप्पणी	24,24क	87-89
37	आकस्मिक देनदारियाँ और लेखों पर टिप्पणी	25	90-91

वित्तीय विवरणी (गैर-लाभकारी संगठन)

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र

(राशि रुपये में)

कॉर्पस/पूंजी निधि और देनदारियां			चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
	कॉर्पस/पूंजी निधि		50,96,94,333	526,998,781	1
	आरक्षित और अधिशेष		4,920,206	6,647,551	2
	चिह्नित/धर्मदाय निधि		305,905	278,990	3
	प्रारक्षित ऋण और उधार		-	-	4
	गैर-प्रारक्षित ऋण और उधार		-	-	5
	आस्थगित देनदारियाँ		-	-	6
	चालू देनदारियाँ और प्रावधान		6,234,840	12,183,579	7
कुल देनदारियां			**521,155,284**	**546,108,901**	

आस्ति			चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
	नियत आस्तियां - सकल ब्लॉक				8
	i)	वर्ष के प्रारंभ में	984,025,878	980,546,349	
	ii)	वर्ष के दौरान जोड़	1,047,171	3,369,199	
	iii)	जोड़ें: वर्ष के दौरान समायोजन	(155,436)	110,330	
	iv)	वर्ष के अंत में (i + ii)	984,917,613	984,025,878	
	घटाएं:	मूल्यह्रास	515,791,340	478,952,898	
		आरक्षिति का समायोजन			
	निवल राशि		469,126,273	505,072,980	
	जोड़:	चालू पूंजीगत कार्य	25,079,507	15,755,436	
	कुल नियत आस्तियां		494,205,780	520,828,416	8
	निवेश - चिह्नित/धर्मदाय निधि		305,905	278,990	9
	निवेश - अन्य		-	-	10
	रद्दी आस्तियां		-	-	10क
	चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम		26,643,599	25,001,495	11
	विविध व्यय (समायोजन किया गया या बट्टे खाते में न डाला गया)		-	-	
कुल आस्तियां			**521,155,284**	**546,108,901**	

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखों पर टिप्पणी 24/24क
आकस्मिक देनदारियां 25

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखा

आय			चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
क	बिक्री/सेवाओं से आय			58795110		20760585	12
ख	(i) केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान		239700000		308600000		
घटाएं:	(ii) अप्रयुक्त अनुदान		-2772647		-8059194		13
	(iii) निवल (i - ii)		236927353		300540806		
जोड़े:	(iv) पिछले वर्ष का अप्रयुक्त अनुदान को पुनःवेधित		8059194				
	(v) मंत्रालय को देय ब्याज समायोजित		-				
	वर्ष के दौरान प्रयुक्त अनुदान (iii + iv)		244986547		300540806		
घटाएं:	**पूंजीगत लेखाओं** के लिए प्रयुक्त अनुदान		10000000		10000000		
	कॉर्पस/पूंजीगत निधि को अंतरण (अनुसूची 1 देखें)						
निवल	(ख) राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान	0		234986547		290540806	
ग	सौर ऊर्जा संयत्र के लिए एमएनआरई* से प्राप्त परिदान						
घ	शुल्क/अभिदान			0		-	14
	चिह्नित/धर्मदाय निधि से ब्याज आय		26915		6249		15
	चिह्नित/धमेदाय से ब्याज आय निधि लेखा को अंतरण		-26915		-6249		
	(अनुसूची 9 देखें)						
ङ	प्रकाशन, रॉयल्टी आदि से आय					0	16
च	अर्जित ब्याज			1056572		1235847	17
छ	अन्य आय			3091968		2811412	18
ज	सहायता प्राप्त सौर ऊर्जा संयंत्र से आस्थगित आय			1727345		1727345	8 और 2
झ	नियत आस्तियों की बिक्री से प्राप्त आय					-	18क
ञ	स्टॉक (प्रकाशनों) में वृद्धि(+)/कमी(-)			284507		-10675	19
	जोड़ (क)			**29,99,42,049**		**31,70,65,320**	

व्यय			चालू वर्ष		पिछला वर्ष		
क	स्थापना व्यय			152741172		125713112	20
ख	प्रशासनिक एवं अनुरक्षण व्यय			67852277		52814829	21
ग	केंऔसुब पर व्यय			70967881		138120339	21क
घ	पूर्व अवधि के लेनदेन/समायोजन			(1,153,275)		-	21ख
ङ	अनुदान परिदान आदि पर व्यय			-		-	22
च	ब्याज			-		-	23
छ	वर्ष के लिए मूल्यह्रास (अनुसूची 8 देखें)			36838442		39087647	8
	जोड़ (ख)			**327246497**		**355735927**	
	आय की तुलना में व्यय का शेष अधिक्य (ख - क)			27304448		38670607	
	पूंजीगत आरक्षित निधि में अंतरण (अनुसूची 2 देखें)					0	
	जनरल आरक्षित से/में अंतरण			-		-	
	शेष (घाटा) कॉर्पस/पूंजीगत निधि को अग्रेनीत - (अनुसूची 1 देखें)			**2,73,04,448**		**3,86,70,607**	

* एमएनआरई – नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय **(अनुसूची 24-क के अंतर्गत टिप्पणी 5 (ख) देखें)**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

(राशि रुपये में)

ख6:एम38बी4बी6	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	क्रम सं	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I	**अथ शेष:**			I	**व्यय (स्थापना और प्रशासनिक आदि)**		
	क) नकद	81600	26460		क) स्थापना व्यय	152721172	124149215
	ख) बैंक में जमा राशि				ख) प्रशासनिक और अनुरक्षण व्यय	48082355	42817875
	i. चालू खातें में	9819869	-1740731		ग) प्रकाशनों का मुद्रण	290000	
	ii. जमा खातें में		-		घ) प्रीपेड व्यय	85044	
	iii. बचत खातें में	7310036	13704014		ङ) मुद्राशास्त्र सम्मेलन	118147	3941025
	जोड़ - I	**17211505**	**11989743**		च) टीडीएस, जीएसटी और उपकर	1494653	1087709
II	**प्राप्त अनुदान**				छ) बयाना धन की वापसी	76203	
	क) केंद्र सरकार से				**जोड़ - I**	**202867574**	**171995824**
	क) सामान्य -केंऔसुब एवं संग्रहालय अनुरक्षण (शीर्ष 31)	102500000	171400000	II	किए गए निवेश और जमा:		
	ख) पूंजीगत आस्तियों का सृजन (शीर्ष 35)	10000000	10000000		i. चिह्नित निधियों से		-
	ग) कर्मचारी वेतन (शीर्ष 36)	127000000	127000000		ii. अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)		-
	घ) स्वच्छ भारत (96.31)	200000	200000	III	(क) व्यय (पूंजीगत आस्तियों का सृजन)		
	जोड़ - II	**239700000**	**308600000**		1 भवन परियोजना (नया)		
	ख) राज्य सरकार से		-		2 विद्यमान भवन विकास	207930	1019241
	ग) अन्य स्रोतों से		-		3 दीर्घाओं का पुनर्गठन	5068809	1638111
					4 पूंजीगत चालू कार्य		6447839
					5 कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	156400	244499
					6 परस्पर संवादात्मक क्रियाकलाप केंद्र	263779	
					7 प्रदर्शनी हॉल विकास डब्ल्यू ब्लॉक	780800	
					8 फोटोग्राफी, डिजिटलीकरण और प्रलेखन	240564	
					9 उपकरण आदि का संरक्षण।	85644	
III	**टिकटों की बिक्री से आय**	58795110	20760585		10 जन सुविधाएं	1258809	
					11 गैलरी का वातानुकूलन -सीडब्ल्यूआईपी	1736068	
IV	**निम्नलिखित निवेश पर आय**				12 विद्युत स्थापन	0	102768
	क) चिह्नित/धर्मदाय निधि		-		13 विद्युत और अन्य उपकरण	0	373606
					14 फर्नीचर और फिक्स्चर	127499	98554
					15 पुस्तकालय की पुस्तकें	73698	75382
	ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)		-				
					जोड़ - II (सीसीए)	**1,00,00,000**	**1,00,00,000**
	पृष्ठ जोड़ अग्रेनीत	**31,57,06,615**	**34,13,50,328**		**पृष्ठ जोड़ अग्रेनीत**	**21,28,67,574**	**18,19,95,824**

.. 2 ..

(राशि रुपये में)

		पृष्ठ जोड़ शेष अग्रेनीत	315706615	341350328			पृष्ठ जोड़ शेष अग्रेनीत	212867574	181995824
V		**निम्नलिखितों से प्राप्त ब्याज**			III	(ख)	व्यय (अन्य)		
	1	बैंक में जमा राशि/टीडीआर				1	सांस्कृतिक एवं जन शिक्षा	2818582	1237072
	2	बचत खाता	512619	469614		2	संरक्षण	1240922	295278
	3	विद्युत जमा एवं अन्य				3	पुस्तकालय	1776504	962273
	4	कर्मचारी अग्रिम	403165	662076		4	पांडुलिपि	849987	487632
		जोड़ - V	**915784**	**1131690**		5	फोटोग्राफी	207605	123187
						6	डिजिटलीकरण और प्रलेखन	1491245	612352
VI		**अन्य आय (उल्लेख करें)**				7	सुरक्षा उपकरणों का अनुरक्षण	10629162	6026854
	क)	प्रकाशनों की बिक्री				8	केऔसुब की प्रतिनियुक्ति	77913164	138120339
	ख)	पट्टा किराया	2827705	2224520		9	स्वच्छ भारत अभियान	200000	200000
	ग)	विविध प्राप्तियां	388666	78883			**जोड़ - III**	**97127171**	**148064987**
	घ)	शूटिंग शुल्क	0	150000					
	ङ)	मुद्राशास्त्रीय सम्मेलन		49359					
	च)	अन्य आय (विंग एम/सी/स्क्रैप बिक्री)	425033	150422					
					IV		**अधिशेष धन/ऋण की धनवापसी**		
		जोड़ - VI	**3641404**	**2653184**		क)	भारत सरकार को		-
						ख)	राज्य सरकार को		-
VII		**कोई अन्य प्राप्तियां/वसूलियाँ**				ग)	निधि के अन्य प्रदाताओं को		-
	क)	कर्मचारी अग्रिम	297568	355038					
	ख)	बयाना जमा राशि	1160069	389686	V		वित्तीय शुल्क		-
	ग)	आस्तियों की बिक्री			VI		अन्य भुगतान	0	54188
	घ)	टीडीएस, जीएसटी और उपकर	1978869	1446578	VII		इति शेष		
	ङ)	बैंक गारंटी जमा की रिहाई				क)	नकद	5000	81600
	च)	पेंशन निधि जमा				ख)	बैंक में जमा राशि		
		जोड़ - VII	**3436506**	**2191302**			i) चालू खातें में	6835444	9819869
							ii) जमा खातें में		-
							iii) बचत खातें में	6865120	7310036
							जोड़ - VII	**13705564**	**17211505**
		जोड़	32,37,00,309	34,73,26,504			**जोड़**	32,37,00,309	347326504

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 1

(राशि रुपये में)

	कॉर्पस/पूंजीगत निधि	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क)	वर्ष के प्रारंभ में शेष	1033652238		1023652238	
जोड़	वर्ष के लिए कॉर्पस/पूंजीगत निधि में योगदान (सीसीसी निधि + सब्सिडी)	10000000		10000000	
	वर्ष के अंत में कुल		1043652238		1033652238
(ख)	**पिछला वर्ष से लाया गया** आय से व्यय शेष	506653457		467982850	
जोड़	एवं व्यय संबंधी लेखाओं अंतरित अधिक व्यय शेष	27304448		38670607	
घटाएं	मूल्यह्रास पद्धति में परिवर्तन के कारण समायोजन			0	
घटाएं	कुल आय से अधिक व्यय		533957905		506653457
	निवल जोड़ (क - ख)		**50,96,94,333**		**52,69,98,781**

*मूल्यह्रास में परिवर्तन के कारण समायोजन (अनुसूची 24 के तहत टिप्पणी 4(ख) देखें)

अनुसूची - 2

(राशि रुपये में)

	आरक्षित और अधिशेष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	पूंजीगत आरक्षित			
	पिछले वर्ष के लेख के अनुसार		6647551	8374896
	वर्ष के दौरान जोड़			
	घटाएँ: कटौतियाँ (आय एवं व्यय लेखों को अंतरण)		1727345	1727345
	वर्ष के अंत तक शेष राशि		4920206	6647551
2	आरक्षित एवं अधिशेष		-	-
	पिछले वर्ष के लेख के अनुसार			
	वर्ष के दौरान जोड़			
	घटाएं : वर्ष के दौरान कटौतियाँ			
	वर्ष के अंत तक शेष राशि			
3	विशेष आरक्षित		-	-
	पिछले वर्ष के लेख के अनुसार			
	वर्ष के दौरान जोड़			
	घटाएं : वर्ष के दौरान कटौतियाँ			
	वर्ष के अंत तक शेष राशि			
4	सामान्य आरक्षित		-	-
	पिछले वर्ष के लेख के अनुसार			
	वर्ष के दौरान जोड़			
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियाँ			
	वर्ष के अंत तक शेष राशि			
	जोड़		**49,20,206**	**66,47,551**

टिप्पणी: 17,27,345/- रुपये के आस्थगित आय को इसी मूल्यह्रास प्रभारित में कटौती की गई (अनुसूची 24(क) के अंतर्गत टिप्पणी 5(ख) देखें)

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 3

(राशि रुपये में)

	चिह्नित/धर्मदाय निधि	निधि-वार विवरण			जोड़	
		एसजेएम स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	स्वर्गीय श्री सुब्बा रामी रेड्डी और राजम्मा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	अथ शेष (एफडीआर में निधि का अंकित मूल्य)	116413	97565	65012	278990	272741
ख)	निधि में जोड़ - दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ग)	ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं (अनंतिम)					
	i) वर्ष के प्रारंभ में				0	0
	ii) वर्ष के लिए उपार्जित ब्याज	7824	14721	4370	26915	6249
	iii) चालू वर्ष के अंत तक कुल	7824	14721	4370	26915	6249
घ)	**कुल क + ख + ग(iii)**	**124237**	**112286**	**69382**	**305905**	**278990**
ङ)	उपयोगिता/निधि के प्रयोजनों के प्रति व्यय	-	-	-	-	-
i.	पूंजीगत व्यय					
	-नियत आस्तियां					
	- अन्य					
	कुल ङ (i)					
ii.	राजस्व व्यय					
	- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते					
	- किराया					
	- अन्य प्रशासनिक व्यय					
	कुल ङ (ii)					
	कुल (ङ)	-	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में निवल शेष (घ-ङ)	**1,24,237**	**1,12,286**	**69,382**	**3,05,905**	**2,78,990**

टिप्पणी

1	अथ शेष *2016-17* (*208336* रुपये) में नवीनीकृत एफडी के अंकित मूल्य को दर्शाता है
2	टीडीएस कटौती स्रोत, यदि कोई हो, विवरण उपलब्ध न होने के कारण प्रदान नहीं की गई है

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - **4**

(राशि रुपये में)

	प्रारक्षित ऋण एवं उधार	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	केंद्र सरकार	-	-
2	राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3	वित्तीय संस्थान		
	क) आवधिक ऋण		
	ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4	बैंक		
	क) आवधिक ऋण पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
	ख) अन्य ऋणों पर प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5	अन्य संस्थान और एजेंसियां		
6	डिबेंचर और बांड		
7	अन्य (उल्लेख करें)		
	जोड़	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि:

अनुसूची - **5**

(राशि रुपये में)

	असुरक्षित ऋण और उधार	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	केंद्र सरकार	-	-
2	राज्य सरकार (उल्लेख करें)		
3	वित्तीय संस्थान		
	क) आवधिक ऋण		
	ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
4	बैंकों		
	क) आवधिक ऋण - प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
	ख) अन्य ऋण - प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज		
5	अन्य संस्थान और एजेंसियां		
6	डिबेंचर और बांड		
7	आवधिक जमा		
8	अन्य (उल्लेख करें)		
	जोड़	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि:

अनुसूची - 6

(राशि रुपये में)

	आस्थगित देनदारियाँ	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
a)	पूंजीगत उपस्कर और अन्य आस्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियां	-	-
b)	अन्य		
	जोड़	-	-

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 7

(राशि रुपये में)

			चालू देनदारियां और प्रावधान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	क		**चालू देनदारियां**		
1			स्वीकारोक्तियां	-	-
2			विविध लेनदार		
		क.	माल के लिए	-	-
		ख.	अन्य के लिए	0	11535
3			प्राप्त अग्रिम राशि		
		क.	साइकिल स्टैंड पट्टे की रकम	-	
		ख.	अन्य		
4			उपार्जित ब्याज परंतु अदेय -		
		क.	प्रारक्षित ऋण एवं उधार		
		ख.	असुरक्षित ऋण एवं उधार		
5			सांविधिक देनदारियां		
		क.	अतिशोध्य	-	-
		ख.	अन्य - देय जीएसटी	0	944090
6			अन्य चालू देनदारियां		
		क.	पुनर्वैधीकरण के लिए प्रस्तावित व्यय न किया गया अनुदान	2772647	8059194
		ख.	बयाना राशि/प्रतिभूति जमा (अनुबंध देखें)	2754191	2823600
		ग.	विविध (उपकर)	16695	5160
		घ.	सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए टीएसआरईडीसीओ को देय राशि	-	
7			बकाया देनदारियाँ - राजस्व लेखा		
		i.	छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	-	-
		ii.	महालेखाकार को देय लेखापरीक्षा शुल्क	200000	200000
		iii.	कैंऔसुब को भुगतान	-	-
		iv.	पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	-	-
		v.	वेतन एवं भते, बोनस, एलटीसी, ओटीए आदि।		
		vi.	टेलीफोन शुल्क		0
		vii.	कर्मचारियों को जीपीएफ अभिदान पर ब्याज	-	-
		viii	अनुरक्षण व्यय		
		ix.	देय व्यय	346307	-
		x.	आंतरिक लेखापरीक्षा शुल्क	120000	120000
		xi.	संकलन शुल्क देय	25000	20000
			जोड़ - क	6234840	12183579
	ख		प्रावधान	-	-
			कराधान		
			उपदान		
			संचित छुट्टी नकदीकरण		
			अधिवार्षिता पेंशन		
			जोड़ - ख	-	-
			जोड़- क + ख	**62,34,840**	**1,21,83,579**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को नियत आस्तियां और चल रहे कार्य

अनुसूची - 8

(राशि रुपये में)

क्र सं	आस्ति का नाम	उपयोगी लाइफ	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
			वर्ष के प्रारंभ में लागत/मूल्य	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(क)	नियत आस्तियां											
1	भूमि		1,795,603			1,795,603					1,795,603	1,795,603
2	भवन	60										
	- संग्रहालय		458,854,772		-	458,854,772	100,374,042	8,963,199		109,337,241	349,517,531	358,480,730
	- अग्निशमन केंद्र		3,814,651		-	3,814,651	803,478	75,300		878,778	2,935,873	3,011,173
	- मौजूदा भवन विकास		6,924,305	207,930		7,132,235	451,744	164,278		616,022	6,516,213	6,472,561
	- प्रेक्षागृह		250,859			250,859	6,482	5,975		12,457	238,402	244,377
	- बुकिंग कार्यालय विस्तार		2,050,738			2,050,738	46,235	49,157		95,392	1,955,346	2,004,503
	- वीआईपी लाउंज		63,982			63,982	1,770	1,524		3,294	60,688	62,212
	- परस्पर संवादात्मक क्रियाकलाप केंद्र		14,792,620			14,792,620	409,244	352,297		761,541	14,031,079	14,383,376
3	संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	15										
	- डीजल जनरेटर और एसी संयत्र		7,847,485			7,847,485	6,550,073	203,497		6,753,570	1,093,915	1,297,412
	- संयंत्र, उपकरण एवं औज़ार		7,433,024	85,644		7,518,668	5,888,619	519,860		6,408,479	1,110,189	1,544,405
	- फायर हाइड्रेंट/अलार्म		39,639,130			39,639,130	29,212,506	2,198,935		31,411,441	8,227,689	10,426,624
4	वाहन	10	1,805,470			1,805,470	1,768,695	5,656		1,774,351	31,119	36,775
5	फर्नीचर व फिक्सचर	10	16,952,264	127,499		17,079,763	15,400,205	455,310		15,855,515	1,224,248	1,552,059
6	शोकेस और दीवार पैनलिंग	8	2,734,406			2,734,406	2,441,813	53,185		2,494,998	239,408	292,593
7	दीर्घाओं का पुनर्गठन	8	132,674,945			132,674,945	106,922,447	4,774,960		111,697,407	20,977,538	25,752,498
	-दूसरी मंजिल के पूर्वी ब्लॉक का विस्तार		374,841			374,841	46,855	46,855		93,710	281,131	327,986
8	फॉल सीलिंग	10	13,784,412			13,784,412	9,729,452	1,470,201		11,199,653	2,584,759	4,054,960
9	प्रदर्शन कार्यालय		378,220			378,220	378,220			378,220	-	-
10	विद्युत एवं अन्य उपस्कर	10										-
	- विद्युत एवं कार्यालय उपस्कर		34,490,715			34,490,715	29,533,484	1,959,616		31,493,100	2,997,615	4,957,231
	- फोटोग्राफी उपस्कर		2,169,667	396,000		2,565,667	2,013,195	62,656		2,075,851	489,816	156,472
	- डिजिटलीकरण एवं प्रलेखन (आरएफआईडी)		3,369,301		(155,436)	3,213,865	841,733	349,961		1,191,694	2,022,171	2,527,568
	- रासायनिक प्रयोगशाला उपस्कर		6,793,727			6,793,727	4,489,449	839,787		5,329,236	1,464,491	2,304,278
	- सुरक्षा उपस्कर		25,871,019			25,871,019	23,016,021	1,023,665		24,039,686	1,831,333	2,854,998
	- सामूहिक शिक्षा		2,798,135			2,798,135	2,798,135			2,798,135	(0)	(0)
	- जन संबोधन प्रणाली		9,214,041			9,214,041	7,625,777	1,110,856		8,736,633	477,408	1,588,264
	- टाइपराइटर्स		139,873			139,873	139,873	-		139,873	(0)	(0)
	- कैलकुलेटर्स		20,526			20,526	20,526	-		20,526	(0)	(0)
	-ऊर्जा बचत पंखे		197,950			197,950	29,611	19,795		49,406	148,544	168,339
11	कंप्यूटर और बाह्य उपस्कर	3	5,132,968	156,400		5,289,368	4,762,921	183,842		4,946,763	342,605	370,047
	जोड़ अग्रेनीत		**80,23,69,649**	**9,73,473**	**(1,55,436)**	**80,31,87,686**	**35,57,02,604**	**2,48,90,367**	**-**	**380,592,971**	**422,594,715**	**446,667,045**

(राशि रुपये में)

1	2 3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	जोड़ शेष अग्रेनीत	**80,23,69,649**	**9,73,473**	**(1,55,436)**	**80,31,87,686**	**35,57,02,604**	**2,48,90,367**	**-**	**380,592,971**	**422,594,715**	**446,667,045**
12	विद्युत प्रतिष्ठान 10			-							
	- दीर्घाओं का वातानुकूलन	29,770,825		-	29,770,825	20,406,024	1,695,696		22,101,720	7,669,105	9,364,801
	- सौर ऊर्जा संयंत्र	33,094,953		-	33,094,953	16,923,670	3,957,083		20,880,753	12,214,200	16,171,283
	- सौर ऊर्जा संयंत्र (सब्सिडी प्राप्त)	12,017,630		-	12,017,630	5,370,079	1,727,345		7,097,424	4,920,206	6,647,551
	- सीसीटीवी उपस्कर	76,865,930		-	76,865,930	67,463,934	4,545,625		72,009,559	4,856,371	9,401,996
13	पुस्तकालय के पुस्तकें	10,828,753	73,698	-	10,902,451	-	-		-	10,902,451	10,828,753
14	कलाकृतियों की लागत	3,251,008		-	3,251,008	-	-		-	3,251,008	3,251,008
15	पांडुलिपियाँ और माइक्रोफिल्म्स	2,342,154		-	2,342,154	-	-		-	2,342,154	2,342,154
16	अन्य नियत आस्तियां 30	-			-		-				-
	- साइकिल स्टैंड	40,506		-	40,506	29,752	1,346		31,098	9,408	10,754
	- सूचकांक कैबिनेट	3,569,279		-	3,569,279	3,569,279			3,569,279	-	-
	- एल्यूमिनियम विभाजन	454,707		-	454,707	454,707			454,707	-	-
	- पानी का फव्वारा	302,220		-	302,220	215,805	9,614		225,419	76,801	86,415
	- शेड (सुरक्षा चौकी)	341,040		-	341,040	39,819	11,366		51,185	289,855	301,221
17	भंडार का आधुनिकीकरण	8,777,224		-	8,777,224	8,777,224			8,777,224	-	-
	जोड़ - (क)	**984,025,878**	**1,047,171**	**(155,436)**	**984,917,613**	**478,952,898**	**36,838,442**	**-**	**515,791,340**	**469,126,273**	**505,072,980**
	पिछले वर्ष के आंकड़े	980,546,349	3,369,199	110,330	984,025,878	439,865,251	39,087,647	-	478,952,898	505,072,980	540,681,098
(B)	पूंजीगत चल रहे कार्य										
	क) भवन निर्माण कार्य										-
	- नई परियोजना भवन	-			-					-	-
	- परस्पर संवादात्मक क्रियाकलाप केंद्र	1,620,895	263,779		1,884,674					1,884,674	1,620,895
	ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन	14,134,541	5,068,809		19,203,350					19,203,350	14,134,541
	ग) उपकरण का संरक्षण										
	घ) दीर्घाओं का वातानुकूलन		1,951,874		1,951,874					1,951,874	
	ङ) प्रदर्शनी हॉल विकास कार्य डब्ल्यू ब्लॉक (क)		780,800		780,800					780,800	
	च) मौजूदा भवन में शौचालयों का निर्माण(क)	-	1,258,809		1,258,809					1,258,809	-
	छ) सुरक्षा उपस्करों का उन्नयन	-			-						-
	ज) डिजिटलीकरण और प्रलेखन	-			-						-
	झ) जन सुविधाएं	-			-						-
	ञ) पुस्तकालय, पांडुलिपि संरक्षण	-			-						
	कुल परिवर्धन	**15,755,436**	**9,324,071**	**-**	**25,079,507**	**-**	**-**	**-**	**-**	**25,079,507**	**15,755,436**
	ट) फाल्स सीलिंग - दीर्घा	-			-					-	
	i) दीर्घाओं का वातानुकूलन	-			-					-	
	j) सौर संयत्र के लिए सब्सिडी (60 केड्ब्ल्यूपी)				-					-	-
	जोड़ - (ख)	**15,755,436**	**9,324,071**	**-**	**25,079,507**	**-**	**-**	**-**	**-**	**25,079,507**	**15,755,436**
	जोड़ (क + ख)	**999,781,314**	**10,371,242**	**(155,436)**	**1,009,997,120**	**478,952,898**	**368,38,442**	**-**	**515,791,340**	**494,205,780**	**520,828,416**

टिप्पणी:

1)	वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा जारी सीसीए निधियों से किए गए पूंजीगत व्यय को शुरू में (ख) डब्ल्यूआईपी में 'अधिक्क' के अंतर्गत दर्शाया गया है, और संपूर्ण वस्तुओं को संबंधित आस्तियों के श्रेणियों में घटाया और जोड़ा गया है।
2)	पूंजीगत चल रहें लेखाओं में इस्लामिक कला दीर्घा रु.99,56,926/-, परस्पर संवादात्मक क्रियाकलाप केंद्र रु. 18,84,674/-, संस्थापक दीर्घा रु. 86,87,592/-, दीर्घाओं का वातानुकूलन रु. 19,51,874/-, लैंप गैलरी रु. 1,96,851/-, भारतीय कांस्य, वस्त्र एवं लघु कला रु. 32,600/-, संगमरमर दीर्घा रु. 3,29,381/-, प्रदर्शनी हॉल विकास कार्य डब्ल्यू ब्लॉक (क) रु. 7,80,800/-, मौजूदा भवन में शौचालयों का निर्माण (क) रु. 12,58,809/- शामिल हैं।

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023को तुलन पत्र के भाग
को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 9

(राशि रूपये में)

	चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश						**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1	सरकारी प्रतिभूतियों में							
2	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ							
3	शेयर							
4	डिबेंचर और बांड							
5	सहकारी और संयुक्त उद्यम							
6	अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा (अंकित मूल्य)							
	धर्मदाय निधि विवरण	एफडी के नवीकृत मूल्य	पिछली नवीकृत तिथि	नवीकृत की अवधि	ब्याज दर %	दिनांक 31-3-2023 तक उपार्जित ब्याज	वरष के अंत तक	वर्ष के अंत तक
1	एसजेएम स्वर्ण निधि	116413	5.3.2022	5	5.5	7824	124237	116413
2	एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	97565	1.9.2020	5	5.5	14721	112286	97565
3	स्वर्गीय सुब्बा रामी रेड्डी और राजम्मा छात्रवृत्ति	65012	5.3.2022	5	5.5	4370	69382	65012
		278990				26915	**305905**	**278990**

अनुसूची - 10

(राशि रुपये में)

	निवेश - अन्य		**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1	सरकारी प्रतिभूतियों में			
2	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ			
3	शेयर			
4	डिबेंचर और बांड			
5	सहायक कंपनियाँ और संयुक्त उद्यम			
6	अन्य (उल्लेख किया जाए)			
	जोड़		-	-

अनुसूची – 10क

(राशि रुपये में)

	रद्दी आस्तियां		**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
	रद्दी आस्तिया			
			-	-

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 11

(राशि रुपये में)

चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम आदि		चालू वर्ष		पिछला वर्ष
क	चालू आस्तियां			
1 वस्तु सूची				
क)	भण्डार एवं पुर्जे			
ख)	खुले औजार			
ग)	कारोबार में माल			
	i) तैयार माल			
	ii) चालू कार्य			
	iii) कच्चा माल			
	प्रकाशनों और केसेट्स का अंतिम माल *(अनुसूची **19 देखें**);*	1529028		1244521
2 **विविध** ऋणी				
क)	छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	-		-
ख)	अन्य	-		-
3 नकद शेष (चेक /ड्राफ्ट/अग्रदाय सहित)		5000		81600
4 बैंक में जमा राशि				
क)	अनुसूचित बैंकों में			
	i) चालू खातें में	6835444		9819869
	ii) जमा खातें में (एफडी)			
	iii) बचत खातें में	6865120		7310036
ख)	गैर-अनुसूचित बैंकों में	-		-
	i) चालू खातों में			
	ii) जमा खातें में (एफडी)			
	iii) बचत खातें में			
5 डाकघर बचत खाता				
जोड़ - क		15234592		18456026

ख		ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियां		
1	ऋण			
	क)	कर्मचारी अग्रिम (अनुबंध देखें)	736248	1053816
	ख)	एलटीसी/यात्रा भत्ता अग्रिम से संबंधित लंबित निपटान	-	-
	ग)	इकाई के समान कार्यकलापोंयों/उद्देश्यों में नियुक्त अन्य संस्थाएँ	-	-
	घ)	अन्य (उल्लेख करें)	-	-
2	नकद या उपहार या मूल्य के रूप में वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियाँ		-	-
	क)	पूंजीगत खाते पर	-	-
	ख)	पूर्व भुगतान	85044	
	ग)	अन्य जमा एवं अग्रिम (अनुबंध देखें)	4213858	4213858
	घ)	सौर संयत्र (60 केड्ब्ल्यूपी) के लिए टीएसआरईडीसीओ से देय सब्सिडी राशि	8014	8014
	ङ)	साइकिल स्टैंड ठेकेदार से देय पट्टे का किराया		
	च)	एचएचईसी - किराया और बिजली शुल्क		
	छ)	टीएसटीडीसी-कैफेटेरिया किराया, कमीशन, विद्युत और जल प्रभार	256580	452495
	ज)	टीएसटीडीसी सूचना केंद्र - किराया और विद्युत प्रभार		
	झ)	एसबीआई एटीएम केंद्र - किराया और विद्युत प्रभार	52257	66300
	ञ)	हैदराबाद कैफे किराया, विद्युत प्रभार	0	0
	ट)	हैदराबाद लैकर किराया, विद्युत प्रभार	14498	69164
	ठ)	सालार जंग बैग की दुकान का किराया, विद्युत प्रभार	10172	41114
	ड)	सालार जंग मोती और चूड़ियाँ – किराया और विद्युत प्रभार	13975	70455
	ढ)	सालार जंग टी स्टॉल- किराया, विद्युत प्रभार	62141	111240
	ण)	स्मारक सिक्का बिक्री काउंटर	0	2212
	त)	अन्य देय-किराया प्राप्तियों पर जीएसटी		
	थ)	- एलएस एवं पीसी (श्रीमती केदारेश्वरी)	298456	298456
	द)	- गायथी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड	0	54188
	ध)	जीएसटी प्राप्य	5516976	
3	उपार्जित आय परंतु अदेय			
	क)	चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर		-
	ख)	निवेश पर - अन्य (जीपीएफ)		-
	ग)	ऋण और अग्रिम पर		-
	घ)	अन्य (विद्युत जमा पर ब्याज)	140788	104157
4	बिल/प्राप्त दावे - प्रकाशनों की लागत		-	-
		जोड़ - ख	11409007	6545469
कुल चालू आस्तियां (क + ख)			**26643599**	**25001495**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को आय और व्यय खाते के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 12

(राशि रुपये में)

	बिक्री/सेवाओं से आय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	बिक्री से आय			
	क.	तैयार माल की बिक्री		-
	ख.	कच्चे माल की बिक्री		-
		स्क्रैप की बिक्री		0
2	सेवाओं से आय			-
	क.	श्रम एवं प्रसंस्करण शुल्क		
	ख.	व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
	ग.	एजेंसी कमीशन और ब्रोकरेज		
	घ.	अनुरक्षण सेवाएँ (उपस्कर/आस्ति)		
	ङ.	अन्य (उल्लेख करें)		
3	प्रवेश टिकटों की बिक्री		58,795,110	20,760,585
		जोड़	**58,795,110**	**20,760,585**

अनुसूची - **13**

(राशि रुपये में)

निम्नलिखित से प्राप्त अनुदान/सब्सिडी			चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1		वर्ष के दौरान केन्द्र सरकार से				
क	i)	शीर्ष 31 – सामान्य (केंऔसुब एवं संग्रहालय अनुरक्षण)	102500000		167400000	
	ii)	शीर्ष 35 - आस्तियों के लिए पूंजीगत योगदान	10000000		10000000	
	iii)	शीर्ष 36 - वेतन	127000000		127000000	
	iv)	शीर्ष 96.31 - स्वच्छ भारत	200000		200000	
	v)	सहायता अनुदान वैश्विक शिखर सम्मेलन	0		4000000	
		जोड़ – क		239700000		308600000
ख	घटाएं:	अप्रयुक्त अनुदान				
	i)	सामान्य	(2,772,647)		(6,395,904)	-
	ii)	आस्तियों के लिए पूंजीगत योगदान		..		-
	iii)	वेतन		..	(742,388)	-
	iv)	स्वच्छ भारत		..		-
	v)	वैश्विक शिखर सम्मेलन			(920,902)	
		जोड़ - ख		(2,772,647)		(8,059,194)
ग		वर्ष के दौरान अप्रयुक्त निवलअनुदान (क - ख)		236927353		300540806
2		राज्य सरकार		-		-
3		सरकारी एजेंसियां		-		-
4		संस्थान/कल्याण निकाय		-		-
5		अंतर्राष्ट्रीय संगठन		-		-
6		अन्य (उल्लेख करें)		-		-
		जोड़		**236927353**		**300540806**

अनुसूची **– 14**

(राशि रुपये में

	शुल्क/अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	प्रवेश शुल्क	-	-
2	वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3	संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4	परामर्श शुल्क	-	-
5	अन्य (उल्लेख करें)	-	-
	जोड़	-	-

(राशि रुपये में)

सालार जंग संग्रहालय

अनुसूची - 15

(राशि रुपये में)

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय के लेखों को बनाने वाली अनुसूची

	निवेश से आय (निधि को अंतरित चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधियों से निवेश		निवेश - अन्य	
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	ब्याज				
	क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		-		
	ख. अन्य बांड/डिबेंचर		-		
	ग. आवधिक जमा	26915	6249	-	-
2	लाभांश				
	क. शेयर पर				
	ख. म्यूचल फंड प्रतिभूतियों पर				
3	किराया				
4	अन्य				
	जोड़	26915	6249	-	-
	चिह्नित/धर्मदाय निधि में अंतरित (अनुसूची **3** और **9** देखें)	26915	6249	-	-

अनुसूची - **16**

(राशि रुपये में)

	रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क	रॉयल्टी से आय				
ख	प्रकाशनों की बिक्री				
ग	अन्य (उल्लेख करें)				
	जोड़			0	0

अनुसूची - 17

(राशि रुपये में)

		अर्जित ब्याज			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	आवधिक जमा					
	क.	अनुसूचित बैंकों से			-	
	ख.	गैर-अनुसूचित बैंकों से			-	-
	ग.	संस्थानों से			-	-
	घ.	अन्य			-	-
2	बचत खातें पर					
	क.	अनुसूचित बैंकों से			512619	469614
	ख.	गैर-अनुसूचित बैंकों से			-	-
	ग.	डाकघर बचत खातों से			-	-
	घ.	अन्य			-	-
3	अन्य ऋण					
	क.	कर्मचारी/कर्मी			403165	662076
	ख.	अन्य				-
4	विद्युत जमा और अन्य प्राप्ति/वसूली योग्य पर ब्याज				140788	104157
	जोड़				**1056572**	**1235847**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को आय और व्यय लेख के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 18

(राशि रुपये में)

अन्य आय+ख7:च39ख4ख7:च5ख7:च51+ख7:च51			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	आस्तियों की बिक्री/आस्तियों के निपटान से लाभ			
	क)	स्वामित्व वाली आस्तियां	-	-
	ख)	अनुदान या निःशुल्क में अर्जित आस्तियाँ	-	-
2	वसूले गए निर्यात प्रोत्साहन		-	-
3	विविध सेवाओं के लिए शुल्क		397,066	78,883
4	विविध आय			
	क)	साइकिल स्टैंड का पट्टा किराया	508464	282688
	ख)	टीएसटीडीसी रेस्तरां आयोग आदि।	317829	220908
	ग)	एचएचईसी से किराया	0	34729
	घ)	एटीएम केन्द्र के लिए एसबीआई से किराया प्राप्तियां	180000	180000
	ङ)	टीएसटीडीसी रेस्तरां से प्राप्त किराया	381066	
	च)	बैग की दुकान से प्राप्त किराया	60920	41610
	छ)	स्मारक सिक्के की बिक्री से प्राप्त किराया	24000	14323
	ज)	हैदराबाद लैकर्स चूड़ियाँ से प्राप्त किराया	94500	54000
	झ)	सालार जंग मोतियों से प्राप्त किराया	94500	54000

	ञ)	सालार जंग टी स्टॉल से प्राप्त किराया	144000	94500
	ट)	दुकानों और प्रेक्षागृह से प्राप्त किराया	250000	38000
	ठ)	तोलन मशीन से प्राप्तियां	73908	
	ड)	विविध प्राप्तियां		
	ढ)	स्क्रैप की बिक्री	351125	150422
	ण)	मुद्राशास्त्रीय सम्मेलन	0	49359
	त)	शूटिंग प्रभार	0	150000
	थ)	अर्जित किराया (अनुबंध देखें)	170416	-279072
	द)	अर्जित कमीशन	44174	83165
	ध)	पेंशन निधि से आय	0	1563897
		जोड़	3,091,968	2,811,412

अनुसूची – 18 क

(राशि रुपये में)

नियत आस्तियों के बिक्री पर आय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नियत आस्तियों के बिक्री पर आय			
		-	-

अनुसूची - 19

(राशि रुपये में)

तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि/कमी और चल रहे कार्य			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)		अंतिम स्टॉक (प्रकाशन आदि)	1529028	1244521
		तैयार माल		
		चल रहे कार्य		
ख)	घटाएं	अथ स्टॉक	1244521	1255196
		तैयार माल		
		चल रहे कार्य		
		निवल वृद्धि (+)/कमी (-)	**284507**	**-10675**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को आय और व्यय लेख के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 20

(राशि रुपये में)

	स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	i) वेतन और मज़दूरी	74663115		71808961
	ii) महंगाई भत्ता			
	जोड़ (i + ii)		**74663115**	**71808961**
ख)	एन पी एस में नियोक्ताओं का अंशदान		2450093	955696
ग)	बोनस			-
घ)	भविष्य निधि में अंशदान			-
ङ)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ			
च)	पेंशन/पारिवार पेंशन भुगतान		64722895	44424456.23
छ)	शिक्ष शुल्क प्रतिपूर्ति		900040	711698
ज)	समयोपरि भत्ता			0
झ)	यात्रा भत्ता			-
ञ)	चिकित्सा प्रतिपूर्ति		7482274	3877083
ट)	अवकाश यात्रा रियायत		100440	280299
ठ)	छुट्टी का नकदीकरण		267069	293041
ड)	मानदेय			
ढ)	जीपीएफ पर ब्याज		1,925,246	2,964,287
ण)	एल.एस और पेंशन अंशदान (जेडएओ, सीबीडीटी)		0	162591
त)	पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा		230000	235000
	जोड़		**152741172**	**125713112**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को आय और व्यय लेख के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची - 21

(राशि रुपये में)

अन्य प्रशासनिक व्यय			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क	क्रय (प्रकाशनों की छपाई)			
ख	आउटसोर्सिंग और कर्मचारी आकस्मिक मजदूरी		7,532,017	5,072,684
ग	विद्युत और शक्ति		7,168,820	4,008,088
घ	जल प्रभार		218,433	195,617
ङ	वर्दी		345,045	
च	मरम्मत एवं अनुरक्षण (मजदूरी आदि)			
	i	भवन एवं उद्यान	12,111,765	11,319,824
	ii	इलेक्ट्रिकल्स, जेनरेटर, एसी संयत्र और लिफ्ट	6,115,264	5,698,682
	iii	जल निर्माण कार्य एवं जन सुविधाएं	1,968,176	1,259,395
	iv	डिजिटलीकरण एवं फोटो अनुभाग	1,698,850	735,539
	v	सांस्कृतिक एवं सामूहिक शिक्षा	2,818,582	1,237,072
	vi	रासायनिक संरक्षण एवं परिरक्षण		295,278
	vii	पुस्तकालय	1,776,504	962,273
	viii	पांडुलिपि अनुभाग	849,987	487,632
	ix	कार्यालय उपस्कर	5,222,185	5,245,145
	x	सुरक्षा प्रणालियाँ एवं उपस्कर	10,629,162	6,026,854

छ	उत्पाद शुल्क			
ज	किराया, दरें और कर		1,936,153	1,935,911
झ	वाहन चालन एवं अनुरक्षण		465,750	444,000
ञ	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार		201,545	197,493
ट	लेखन सामग्री (टिकट) का मुद्रण		2,133,424	438,700
ठ	यात्रा एवं परिवहन व्यय		196,723	68,639
ड	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय		1,039,049	3,079,098
ढ	प्रकाशनों		290000	
ण	शुल्क		52,000	
त	लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक		504,000	271,920
थ	आतिथ्य व्यय		158,851	
द	व्यावसायिक प्रभार			
ध	अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान			
न	अप्राप्य शेष को बट्टे खाते में डालना			
प	विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार		98,531	134,070
फ	अन्य (किराया आय को छूट दी गई)		30,510	
	1	संकलन प्रभार	25,000	20,000
	2	कानूनी व्यय		17,850
	3	बैंक प्रभार	2,554	4,453
	4	स्वच्छता/स्वच्छ भारत	200,000	200,000
	5	ऑडियो मार्गदर्शक	1,659,268	502,000
	6	ब्याज संबंधी व्यय	59,034	2,685,575
	7	एएमसी संविदा	345,095	271,037
		जोड़	**67852277**	**52,814,829**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31 मार्च 2023 को आय और व्यय लेख के भाग को बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची – 21क

(राशि रुपये में)

	केंऔसुब पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन एवं भत्ते	67,915,195	135,482,580
2	चिकित्सा व्यय	1,609,675	1,757,349
3	अन्य व्यय (केंऔसुब उपकरण का अनुरक्षण)	1,443,011	880,410
	जोड़	**70,967,881**	**138,120,339**

अनुसूची – 21ख

(राशि रुपये में)

	पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
		प्राप्ति	व्यय	प्राप्ति	व्यय
1	बयाना राशि का प्रतिलेखन		-1,153,275		
2	पिछले वर्षों से संबंधित एटीएम किराया				
3	जीपीएफ लेखा पर उपार्जित ब्याज और देय का प्रतिलेखन				
	जोड़			0	0
	निवल समायोजन (प्राप्तियों से अधिक व्यय)	-	(1,153,275)		
	जोड़ (निवल व्यय)	-	**(1,153,275)**		**0**

अनुसूची - 22

(राशि रुपये में)

	अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क	संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख	संस्थानों/संगठनों को दी जाने वाली सब्सिडी		
	जोड़	-	-

टिप्पणी: संस्थाओं के नाम, उनके कार्यकलाप के साथ-साथ अनुदान/सब्सिडी की राशि सहित विवरण दिया जाए

अनुसूची - 23

(राशि रुपये में)

	ब्याज भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	नियत जमाओं पर	-	-
2	अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3	अन्य	-	-
	जोड़	-	-

अनुसूची 18 के लिए अनुबंध – अन्य आय			तक की स्थिति के अनुसार			तक की स्थिति के अनुसार
उपार्जित आय	किराया	प्राप्त योग्य कमीशन	**31-3-2023**	किराया	प्राप्त योग्य कमीशन	**31-3-2022**
टीएसटीडीसी किराया	85,086	44174	129,260	202,585	83165	285,750
एचएचईसी संग्रहालय दुकान किराया			-			-
सालार जंग टी स्टॉल	53475		53,475	87000		87,000
सालार जंग मोती और चूड़ी	12075		12,075	66900		66,900
हैदराबाद लैकर चूड़ी	12075		12,075	66900		66,900
एसबीआई एटीएम	0		-			-
हैदराबाद कैफे			-	-238000		-238,000
सालार जंग बैग की दुकान	7705		7,705	37500		37,500
साइकिल स्टैंड				-501957		-501,957
			-			
	170,416	**44,174**	**214,590**	**-279,072**	**83,165**	**-195,907**

अनुसूची संबंधी अनुबंध

2022-23 (राशि रुपये में)

अनुसूची 11 (ख) का अनुबंध - ऋण, अग्रिम और अन्य आस्तियां				
	विवरण		तक की स्थिति के अनुसार	
			31-3-2023	31.3.2022
I	बाहरी व्यक्तियों के पास अन्य जमा एवं अग्रिम			
(क)	1	बाल्डिया पेट्रोल सप्लाई, हैदराबाद	5000	5000
	2	कार केयर सेंटर, हैदराबाद	3000	3000
	3	जुबिली डाकघर, हैदराबाद	1265	1265
	4	दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली	46646	46646
	5	टी.एस. विद्युत विभाग में प्रतिभूति जमा	2912847	2912847
		निम्नलिखित हेतु (क) एल.टी. कनेक्शन, (ख) कर्मचारी क्वार्टर		
		(ग) एच.टी. कनेक्शन और (घ) अतिरिक्त प्रतिभूति जमा		
	6	सेल फ़ोन जमा	9000	9000
	7	विद्युत मीटर जमा	100	100
(ख)	केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास जमा		1236000	1236000
	जोड़ (क + ख)		**4213858**	**4213858**

II	कर्मचारी अग्रिम संबंधी अनुबंध (अनुसूची 11 ख)					
	विवरण		अथ शेष	भुगतान	वसूली	इति शेष
	1	गृह निर्माण अग्रिम	1001812		269564	732248
	2	मोटर साइकिल अग्रिम	6800		6800	0
	3	कंप्यूटर अग्रिम	42204		38204	4000
	4	त्योहार अग्रिम	3000		3000	0
		जोड़ – अनुसूची (II ख)	**1053816**	-	**317568**	**736248**

अनुसूची 7 संबंधी अनुबंध – चालू देनदारियां					
		अथ शेष	प्राप्तियां	धन वापसी /समायोजन	इति शेष
	बयाना राशि/प्रतिभूति जमा	2823600	1160069	1229478	**2754191**

सालार जंग संग्रहालय

31-03-2023 को समाप्त वर्ष के लिए जी.पी.एफ.तुलन पत्र

(राशि रुपये में)

पिछला वर्ष	देनदारियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	आस्तियां	चालू वर्ष
33137269	वर्ष के समाप्ति तक अभिदान (जिसमें मार्च, 2023: 26601833 + 1043803(3/23) शामिल हैं)	27645636	29300000	टीडीआर में निवेश	24000000
1167089	उपार्जित ब्याज	1758048	5004358	जीपीएफ रोकड़ बही के अनुसार इति शेष	5403684
34304358	जोड़	**29403684**	**34304358**	जोड़	**29403684**

वर्ष 2022-23 के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
3713444	अथ शेष	5004358	10377722	निकासी	17413368
9936563	अभिदान और धनवापसी	9996489			
2268435	एनपीएस से जीपीएफ में स्थानांतरण				
	एफडीआर की निकासी	5300000	3500000	एफडीआर में निवेश	0
	निकासी एफडीआर पर ब्याज	591608	649	बैंक प्रभार	649
2964287	ब्याज हेतु एसजेएम के मुख्य लेख से प्राप्ति	1925246	5004358	इति शेष	5403684
18882729	जोड़	**22817701**	**18882729**	जोड़	**22817701**

दिनांक 31-03-2023 को जी.पी.एफ. लेखा

(ब्रॉडशीट के अनुसार)

पिछला वर्ष	प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष
28390216	अथ शेष	32003757	10377722	निकासी	17413368
11907169	कुल अभिदान और धनवापसी	10086198	32003757	ब्रॉडशीट के अनुसार इति शेष	26601833
2084094	उपार्जित ब्याज	1925246			
42381479	जोड़	**44015201**	**42381479**	जोड़	**44015201**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष तक जीपीएफ निवेश

क्र सं	एफडीआर सं	दिनांक	अवधि	ब्याज की दर	राशि रुपये में
1	37478239633	18.01.2018	1463 दिवसीय	6.00%	5,000,000.00
2	37478240571	18.01.2018	1463 दिवसीय	6.00%	5,000,000.00
3	39617985604	31.08.2020	9 माह	4.40%	5,000,000.00
4	39617986584	31.08.2020	1 वर्ष	5.10%	5,000,000.00
5	39617986084	31.08.2020	6 माह	4.40%	4,000,000.00
	जोड़				**24,000,000.00**

वर्ष 2022-23 के लिए जमा एवं निकासी की अनुसूची

(राशि रुपये में)

माह और वर्ष	आर एंड पी लेख के अनुसार जमा	ब्रॉडशीट के अनुसार जमा	निकासी
मार्च, 22 अभिदान अप्रैल, 22 में दर्शाई गई		1133512	
अप्रैल, 2022	820576	820576	1416984
मई, 2022	775576	775576	2920000
जून, 2022	717243	717243	2385093
जुलाई, 2022	710356	710356	271555
अगस्त, 2022	700356	700356	2107448
सितम्बर, 2022	710344	710344	800968
अक्टूबर, 2022	699858	699858	1053219
नवंबर, 2022	712358	712358	754500
दिसंबर,2022	942858	942858	2765788
जनवरी, 2023	1096358	1096358	682000
फरवरी, 2023	1066803	1066803	1339000
मार्च, 2023	1043803		916813
जोड़	**9996489**	**10086198**	**17413368**

सालार जंग संग्रहालय

दिनांक 31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लेखों का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची – **24**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ :

1. सालार जंग संग्रहालय के लेखों का अनुरक्षण सालार जंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार और वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र में किया जा रहा है। लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है और भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुरूप किया जाता हैं। वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।
2. भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता:

   अनुदानों को उनकी संस्वीकृति/उपयोगिता के आधार पर 'राजस्व' या 'पूंजीगत' अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है। जीएफआर के प्रावधानों के अनुसार, वर्ष के लिए पूंजीगत और राजस्व लेखों से संबंधित व्यय को प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है। अनुदान का लेखाकरण वास्तविक प्राप्ति के आधार पर किया गया है।
3. नियत आस्तियां:

   नियत आस्तियों का मूल्यांकन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है, जिसमें अधिग्रहण से संबंधित सभी आकस्मिक और अन्य प्रत्यक्ष व्यय शामिल होते हैं।
4. मूल्यह्रास:

   क) वर्ष 1981-82 से 1999-2000 तक के लिए अनुदान निधि से अधिगृहित आस्तियों पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक निकाय है जिसे केंद्र सरकार से अनुदान प्राप्त होते हैं और आस्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है। तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सलाह पर, कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV के सीधे लाइन पद्धति के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखांकन वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की आस्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है। वित्त वर्ष 2020-21 में, मूल्यह्रास प्रभारित करने के लिए संग्रहालय कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV से कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में स्थानांतरित हो गया।

   ख) पुस्तकालय की पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों आदि और सालार जंग सम्पदा से ली गई कलाकृतियों और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियों को छोड़कर सभी आस्तियों पर मूल्यह्रास मूल्यांकन किया जा रहा है।
5. कला-कृतिओं का मूल्य:

उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालार जंग सम्पदा से ली गई कलाकृतियों, सामान और जुड़नार, पुस्तकें, पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया। तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है।

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के अवकाश नकदीकरण और उपदान पर व्यय के लिए बही खाते कोई प्रावधान नहीं किया गया है।तथापि, इसे नकद आधार पर लेखा में दर्शाया गया है।
7. संग्रहालय के कर्मचारियों के जीपीएफ लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है और इसकी सूची निम्नानुसार हैं

....

लेखों पर टिप्पणी ***(2022-23):*** अनुसूची - **24** क

1. **सालार जंग संग्रहालय में कलाकृतियों की संख्या:**
   कलाकृतियों की कुल संख्या (कलाकृतियों और गैर कलाकृतियों)-48,367
   प्रदर्शित कलाकृतियों/कलाकृतियों की संख्या - 16,606
   आरक्षित कलाकृतियों/कलाकृतियों की संख्या - 31,761
2. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण**:

27,72,647/- रुपये की अप्रयुक्त अनुदान राशि को वार्षिक लेखों में चालू देनदारियों के रूप में दर्शाया गया है।

3. **मूल्यह्रास:**

   (i) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाइफ के अनुसार लेखों की पुस्तकों में मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।

   (ii) वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में टीएसआरईडीसीओ के माध्यम से 600 केड्ब्ल्यूपी के लिए क्रमशः 98,00,330 रुपये, 14,82,300 रुपये और 7,35,000 रुपये (सौर संयंत्र की 30% परियोजना लागत पर) की सब्सिडी राशि जारी की गई और भारत सरकार, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संबंधित वर्षों में 'पूंजीगत आरक्षित' के रूप में माना गया है (अनुसूची 2 देखें) और वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यह्रास की राशि के रूप में आरक्षित राशि का हिस्सा 'आय और व्यय' खाते में अंतरित किया जा रहा है।

4. **भूमि** :

   अनुसूची 8 (स्थायी आस्ति) के अंतर्गत 10 एकड़ और 62 गुंटे भूमि जिसका मूल्य 17,95,603 रुपये है, में संग्रहालय द्वारा अधिग्रहित भूमि की लागत के लिए 9,43,903 रुपये की राशि और 8,51,700 रुपये मूल्य की भूमि शामिल है जो संग्रहालय को दान में दी गई।

5. नई पेंशन योजना से संबंधित निधि :

i) भारत सरकार द्वारा स्वायत्त निकायों को जारी किए गए निर्देशों (पत्र संख्या ।(13) ईवी/2008, दिनांक 30.01.2009 के तहत) के प्रत्युत्तर में, सालार जंग संग्रहालय ने नई पेंशन अंशदायी योजना में शामिल होने के लिए अपनी सहमति (पत्र संख्या एसजेएम/स्था./एनपीएस/2009-75, दिनांक 06.04.2009 के तहत) दी है और इसे वर्ष 2009-10 से क्रियान्वित किया जा रहा है।

ii) चालू वर्ष के दौरान नई पेंशन योजना में कर्मचारियों से वसूली की गई राशि 10,31,251/- रुपये (पिछले वर्ष रु. 9,55,696/-रुपये) और संग्रहालय द्वारा समान रूप से पेंशन नियामक प्राधिकरण में जमा की गई है।

6. चिह्नित/धर्मदाय निधि से उपार्जित ब्याज को संबंधित निधि लेखा में अंतरित किया गया है।

7. संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, बचत और जमा खातों पर अर्जित ब्याज मंत्रालय/भारत सरकार को देय है। बचत खाते पर वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज 5,12,619/- रुपये है।

8. जहाँ कही आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आँकड़ों को पुनः समूहबद्ध, पुनर्व्यवस्थित, पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

9. आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है।

आकस्मिक देनदारियां (2022-23) अनुसूची 25

–

1. ग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावें

I. संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण के लिए मेसर्स एन.बी.सी.सी., सिविल संविदाकार ने देय राशि के रूप में 200.00 लाख रुपये का दावा किया है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

II. मेसर्स सोलमन राजू और अन्य ने संविदाकार द्वारा नियुक्त मजदूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रुपये के प्रतिपूर्ति की मांग की है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

2. आकस्मिक देनदारियों के रूप में माने गए अन्य दावों का विवरण		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क	संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र	शून्य	शून्य
ख	बैंकों से रियायत प्राप्त बिल		
ग	आयकर/बिक्री कर के संबंध में विवादित मांगें		
घ	आदेशों का अनुपालन न करने के लिए पक्षकारों द्वारा किए गए दावें, लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नहीं किया गया		
3	पूंजीगत प्रतिबद्धताएं	शून्य	शून्य
	पूंजीगत लेखा पर निष्पादित किए जाने वाले संविदाओं का अनुमानित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया है तथा उसके लिए उपलब्ध नहीं किया गया।		
4	पट्टे की बाध्यताएँ	शून्य	शून्य
	संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत किराये हेतु अतिरिक्त बाध्यताएं		
5	विदेशी मुद्रा लेनदेन	शून्य	शून्य
क)	सीआईएफ आधार पर परिकलित आयात का मूल्य:		
-	तैयार माल की खरीद		
-	कच्चा माल एवं संघटक (पारगमन सहित)		
-	पूंजीगत माल		
-	भंडार, पुर्जे और उपभोग्य वस्तुएं		

ख)	विदेशी मुद्रा में व्यय	शून्य	शून्य
-	यात्रा		
-	विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थानों/बैंकों को प्रेषण और ब्याज भुगतान		
-	बिक्री पर कमीशन		
-	कानूनी और व्यावसायिक व्यय		
-	विविध व्यय		
ग)	आय - एफओबी आधार पर निर्यात का मूल्य	शून्य	शून्य
6	लेखापरीक्षकों को पारिश्रमिक		
	- लेखापरीक्षकों के रूप में /कराधान संबंधी मामलें - प्रबंधन सेवाओं के लिए/प्रमाणन के लिए - अन्य	शून्य	शून्य

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुबंध बनाकर दिनांक 31-3-2023 के तुलन-पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया और उस तारीख को आय और व्यय लेखा समाप्त हुई है।

(*by email only*)

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद का कार्यालय-500004
Office of
Principal Director of Audit (Central), Hyderabad - 500 004

संख्या. PDA(c)/CEA/Unit-V/SJM/SAR:2022-23/2023-24/ दिनांक:14.09.2023

सेवा में,

सचिव,संस्कृति मंत्रालय,
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001

विषय: वर्ष 2022-23 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

*****

वर्ष 2022-23 के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एसएआर), एसएआर का अनुबंध और वर्ष 2022-23 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखों की एक प्रति संसद में प्रस्तुत करने हेतु एतदद्वारा अग्रेषित की जाती है। संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तिथियों को सूचित करने की कृपा करें।

कृपया संलग्नकों सहित इस पत्र की पावती भेजें।

संलग्नक: यथोक्त

भवदीय,

(अनिंद्धा दासगुप्ता)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्र) हैदराबाद

संख्या. PDA(c)/CEA/Unit-V/SJM/SAR:2022-23/2023-24/ दिनांक:14.09.2023

निदेशक, सालार जंग संग्रहालय को वर्ष 2022-23 की वार्षिक लेखों (अंग्रेजी संस्करण) की एक प्रति इस अनुरोध के साथ प्रेषित की जाती है कि वह इस अनुमोदित वार्षिक लेखों 2022-23 का हिन्दी संस्करण (दो प्रति) इस कार्यालय को उपलब्ध करवाएं।

संलग्नक:यथोक्त

(सीएच.वी.साई प्रसाद)
निदेशक/केन्द्रीय व्यय लेखापरीक्षा
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा का कार्यालय (केन्द्र)

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय (एसजेएम), हैदराबाद के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की विशेष लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक अधिनियम, 1971 (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) की धारा 19(2) के अंतर्गत दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के आय और व्यय लेखा और प्राप्तियां और भुगतान लेखा संबंधी संलग्न तुलन पत्र का लेखा-परीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरण संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी हमारे लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर सम्मति व्यक्त करना है।

2. इस विशेष लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण के संबंध में लेखांकन शोधन, सर्वोत्तम लेखांकन कार्यप्रणालियों, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूप भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ शामिल हैं। विधि नियमावली और विनियमन (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलू आदि, यदि कोई हो के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा-परीक्षा संबधी टिप्पणी निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से विशेष रूप से प्रस्तुत किए जाते हैं।

3. हमने अपना लेखा-परीक्षा भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए यह आवश्यक है कि हम इस बारे में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा-परीक्षा की योजना तैयार करें और उसका निष्पादन करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं या नहीं। लेखा-परीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच शामिल है। लेखा-परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमे विश्वास है कि यह लेखा-परीक्षा हमारी सम्मति के लिए उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे लेखा-परक्षा के आधार पर, हम यह प्रस्तुत करते हैं कि:

i. हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे;

ii. इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय और व्यय संबंधी लेखा और प्राप्तियां और भुगतान लेखा भारत सरकार

के वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में, संग्रहालय द्वारा लेखाओं की समुचित बही और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए गए हैं।

iv. हम इसके अतिरिक्त यह रिपोर्ट करते हैं कि:

क. **तुलन पत्र**

क.1 आधारभूत निधि/पूंजीगत निधि और देनदारियां - 52.12 करोड़ रुपये

क.1.1 वर्तमान देनदारियां और प्रावधान - 62.35 लाख रुपये

इसमें संग्रहालय अनुदान योजना को लागू करने के लिए सालारजंग संग्रहालय को मंत्रालय द्वारा जारी की गई 12,26,51,701 रुपये की राशि शामिल नहीं है। संग्रहालय अनुदान योजना को लागू करने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा सालारजंग संग्रहालय को 13,38,51,573 रुपये की राशि जारी की गई थी। जिसमें से, उपरोक्त योजना को लागू करने के लिए उप-एजेंसियों को 1,11,99,872 रुपये की राशि जारी की गई, जिससे दिनांक 31.03.2023 तक संग्रहालय के पास 12,26,51,701 रुपये की राशि शेष रह गई। यह राशि संग्रहालय के वार्षिक लेकाओं के माध्यम से नहीं भेजी गई थी। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियाँ और वर्तमान आस्तियों में 12.27 करोड़ रुपये कम दिखाया गया। इसे आरएंडपी लेखाओं में भी दर्शाना होगा।

क.2.2 पूंजीगत प्रक्रियाधीन कार्य- 2.51 करोड़ रुपये

इसमें नए 110 चिलर कैरियर एसी संयत्र की स्थापना, परीक्षण और चालु करने हेतु मेसर्स ब्लू स्टार को भुगतान हेतु 70 प्रतिशत की लागत राशि अर्थात 36,40,608 रुपये शामिल नहीं है। चूकि कार्य पूंजीगत प्रकृति का है अतः इसे आय और व्यय संबधी लेखाओं की अनुसूची 21 के अंतर्गत सुरक्षा प्रणालियों और उपकरण अनुरक्षण के रूप में दर्शाया जाता है। इसके परिणामस्वरूप डब्ल्यूआईपी में रुपये कम दर्शाया गया है और अन्य प्रशासनिक व्यय में 36.41 लाख रुपये अधिक दर्शाया गया है।

ख. आय और व्यय संबंधी लेखा

ख.1 आय - 29.99 करोड़ रुपये

ख.1.1 अर्जित ब्याज 10.57 लाख

इसमें सहायता अनुदान पर अर्जित ब्याज के रूप में 5,12,619 रुपये की राशि शामिल है जो मंत्रालय को वापस की जानी है। इसे आय के रूप में माना गया और अनुसूची 7 के अंतर्गत प्रावधान बनाने के बजाय अनुसूची 17 के अंतर्गत दर्शाया गया। इसके परिणामस्वरूप अनुसूची 7 के अंतर्गत देनदारियों को कम रुपये दर्शाया गया और अनुसूची 17 के अंतर्गत 5,12,619 रुपये अधिक दर्शाया गया।

ग. सामान्य:

ग.1 उपदान और छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान न करना

वर्ष 2022-23 के वार्षिक लेखाओं में कर्मचारियों को देय उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण का कोई प्रावधान नहीं किया गया।

ग.2 अनुसूची 20 के अंतर्गत कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ को विशेष रूप से प्रदर्शित न करना।

कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर होने वाले व्यय को अनुसूची 20 के अंतर्गत विशेष रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया था।

ग.3 एस.जे.एम. द्वारा जी.पी.एफ. खातों के लिए कोई अलग आय और व्यय लेखा तैयार नहीं किया गया था।

घ. सहायता अनुदान: वर्ष के दौरान प्राप्त कुल 23.97[1] करोड़ रुपये की सहायता अनुदान में पिछले वर्ष प्रमाणित अप्रयुक्त शेष राशि अर्थात 20.81 करोड़ जोड़कर कुल 24.78 करोड़ रुपये बनता है, संस्थान ने दिनांक 31 मार्च 2023 तक की स्थिति के अनुसार 24.50[2] करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया है तथा 0.28 करोड़ रुपये शेष है।

ङ. प्रबंधन पत्र: जिन कमियों को विशेष रुप से लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए विशेष रूप से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से निदेशक, सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद के ध्यान में लाया गया है।

पिछले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन, हम यह प्रस्तुत करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल तुलन पत्र, आय और व्यय संबंधी लेखा और प्राप्तियां और भुगतान संबंधी लेखा, लेखा बही के अनुरूप हैं।

V. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्यधीन होते हैं और यह लेखा-परीक्षा रिपोर्ट, भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देती है:

क. जहां तक दिनांक 31 मार्च 2023 तक सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद से संबंधित तुलन पत्र का संबंध है; और

ख. जहां तक उस तारीख को समाप्त वर्ष के **घाटे** के आय और व्यय लेखा का संबंध है।

(अनिंद्धा दासगुप्ता)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्र) हैदराबाद

[1] वेतन-12.70 करोड़ रुपये; सामान्य- 10.25 करोड़; पूंजी- 1.00 करोड़ और एसएपी-0.02 करोड़

[2] वेतन-12.78 करोड़ रुपये; सामान्य- 10.70 करोड़; पूंजी- 1.00 करोड़ और एसएपी-0.02 करोड़

एसजेएम/2022-23

एसएआर के लिए अनुबंध

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की समौचित्य**: आंतरिक लेखापरीक्षा सनदी लेखाकार फर्म द्वारा की गई।
2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**: आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है।
3. **नियत आस्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**: वर्ष 2022-23 में नियत आस्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।
4. **विस्तृत सूची संबंधी भौतिक सत्यापन की प्रणाली**: वर्ष 2022-23 में विस्तृत सूची संबंधी भौतिक सत्यापन किया गया है।
5. **संवैधानिक रूप से बकाया का भुगतान में नियमितता**: संवैधानिक रूप से बकाया का भुगतान नियमित रूप से किया गया।

(सीएच.वी.साई प्रसाद)
निदेशक/केन्द्रीय व्यय लेखापरीक्षा
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा का कार्यालय (केन्द्र)